गैरसैंण, सोमवार
30 जून 2025
वर्षः 17
अंकः 63 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

सर्पदंश की शिकार महिला को नहीं मिला उपचार, मौत

काशीपुर। शनिवार रात सर्पदंश की शिकार एक महिला को परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। आरोप है कि सूचना देने के बावजूद डॉक्टर देरी से पहुंचे, तब तक महिला ने तड़प–तड़प कर दम तोड़ दिया। नाराज परिजनों ने कुछ देर हंगामा किया और उसके बाद शव को बिना किसी कार्रवाई के घर लेकर चले गए। जानकारी के अनुसार, शनिवार देर शाम रुद्रपुर की एक कॉलोनी निवासी 35 वर्षीय महिला को जहरीले सांप ने डस लिया। परिजन गंभीर हालत में महिला को लेकर पहले एक निजी अस्पताल पहुंचे, जब चिकित्सकों ने वहां से मना कर दिया तो रात करीब 8.22 बजे परिजन महिला को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। परिजनों का कहना था कि मौके पर उस वक्त कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। वहां मौजूद एक स्टाफ ने डॉक्टर को फोन पर मामले की सूचना दी। आरोप है कि इस बीच महिला ने महिला ने तड़पते हुए करीब 8.30 पर दम तोड़ दिया। जबकि डॉक्टर 8.32 पर अस्पताल पहुंचे। उन्होंने महिला को चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। इसके बाद नाराज परिजनों ने कुछ देर हंगामा किया और उसके बाद शव को लेकर घर चले गए। कोट... महिला की मौत के मामले में मुझको शिकायत मिली थी। इसको लेकर ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर से पूछताछ की जाएगी और उनसे स्पष्टीकरण लिया जाएगा। साथ ही उच्चाधिकारियों को भी अवगत कराया जाएगा। –डॉ.पीडी गुप्ता, प्रभारी सीएमएस, सीएचसी बाजपुर

श्री जगन्नाथ रथयात्रा में हरे रामा हरे कृष्णा के जयकारों की गूंज

रुद्रपुर। नगर में श्री जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान हरे रामा हरे कृष्णा के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्वालु यात्रा में शामिल हुए। रविवार सांय श्री जगन्नाथ रथयात्रा का शुभारंभ पुरानी गल्ला मंडी से किया गया। यात्रा महाराणा प्रताप चौक, मुख्य बाजार, डीडी चौक, बरेली रोड, आवास विकास होती हुए गुंजन पैलेस जाकर संपन्न हुई। इस दौरान श्रद्वालुओं ने ढ़ोल नगाड़ो की धुनों पर भगवान के जयकारे लगाते हुए नृत्य किया। जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। यात्रा में सर्वमंगल गौड़, मधुबन हरि, सर्वबामन प्रभु, राजिकेश्वर प्रभु, रघुनाथ प्रभु, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष गोल्डी गोराया, विधायक प्रतिनिधि गौरव बेहड़, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष विवेक सक्सेना, राजेश प्रताप सिंह, धर्मराज जायसवाल, सुरेश पपनेजा, ओमप्रकाश दुआ, सुनील ठाकुर, बंटी पपनेजा, नितिन शर्मा, गुलशन सिंधी, धनीराम, अजय श्रीवास्तव, विशाल दुआ आदि रहे।

15 जुलाई तक लें इग्नू में दाखिला

नैनीताल। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन विवि (इग्नू) ने जुलाई 2025 सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। अंतिम तिथि 15 जुलाई निर्धारित की गई है। प्रवेश प्रक्रिया के लिए इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट पर लिंक उपलब्ध है, जिससे छात्र ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। डीएसबी परिसर के इग्नू समन्वयक प्रो ललित तिवारी ने बताया कि इग्नू में 300 से अधिक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। जिनमें सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा और डिग्री कोर्स शामिल हैं। नैनीताल का इग्नू कोड 2762 है, जो क्षेत्रीय केंद्र देहरादून के अंतर्गत आता है। विद्यार्थी इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि 15 जुलाई निर्धारित की गई है।

सड़क हादसे में निगम कर्मचारी की मौत

हरिद्वार। सर्वानंद घाट के पास हुए सड़क हादसे में नगर निगम कर्मचारी की मौत हो गई। हादसा रविवार को उस वक्त हुआ जब नगर निगम का टैक्स विभाग में तैनात कर्मचारी स्कूटी से ड्यूटी से वापस आ रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही निगम कर्मचारियों में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। जानकारी के मुताबिक, हादसा सर्वानंद घाट के पास हुआ। जहां पवन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर घायल को जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

यमुनोत्री हाईवे पर बादल फटने मची तबाही, कई मजदूर लापता

बड़कोट(उत्तरकाशी) । उत्तराखंड में देर रात से हो रही तेज बारिश ने कहर ढा दिया है । उत्तरकाशी में यमुनोत्री हाईवे पर पालीगाड़ ओजरी डाबरकोट के बीच सिलाई बैंड के पास बादल फटने से तबाही मच गई। इस दौरान यहां होटल निर्माण स्थल तबाह हो गया है, जिससे कई मजदूर लापता हो गए। लापता मजदूरों की तलाश में प्रशासन की टीम और एसडीआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। इस दौरान दो मजदूरों के शव मिले हैं। वहीं, सीएम धामी ने भी अधिकारियों से घटना की जानकारी ली और त्वरित गति से राहत बचाव कार्य करने के निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार, घटना देर रात करीब 12 बजे की है। बड़कोट थानाध्यक्ष दीपक कठैत ने बताया कि यमुनोत्री हाईवे पर बादल फटने की सूचना मिली थी। टीम ने मौके पर पहुंचकर पाया कि यहां सड़क निर्माण व अन्य कार्य में लगे कुछ लोग टेंट लगाकर रह रहे थे। तेज सैलाब आने पर वह बह गए हैं। अभी तक आठ से नौ लोगों के लापता होने की खबर है। ये सभी नेपाली मूल के हैं। उत्तरकाशी डीएम प्रशांत आर्य का कहना है कि टीम ने लापता हुए लोगों की खोजबीन शुरू कर दी है। वहीं, दस अन्य श्रमिकों को रेस्क्यू कर पालीगाड़ लाया गया है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने बादल फटने की घटना का अधिकारियों से संज्ञान लिया। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि दुखद घटना में कुछ श्रमिकों के लापता होने की सूचना मिली है। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ समेत अन्य टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई हैं और गहन राहत और बचाव कार्य में लगी हुई हैं। मैं इस मामले को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हूं।

आपदा प्रबंधन सचिव विनोद कुमार सुमन ने समाचार एजेंसी आर एन एस को बताया कि आस–पास के पुलिस और सेना के जवानों ने बचाव कार्य शुरू कर दिया है और एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों को तैनात किया गया है। 15 लोग बचाव कार्य में लगे हुए हैं और लगभग 45 लोग रास्ते में हैं। यहां मशीनें नहीं पहुंच पा रही हैं और टीमें ही रेस्क्यू में लगी हैं। श्रमिक या तो मलबे में फंसे हुए हैं या चट्टान में या नदी में बह गए हैं। उन्हें ढूंढने का प्रयास जारी है। बादल फटने के बाद से यमुनोत्री हाईवे सिलाई बैंड समेत कई जगहों पर बंद है। एनएच की टीम रास्ता खोलने के प्रयास में जुटी है।

वहीं, ओजरी के पास भी सड़क पूरी तरह से खत्म हो गई है। खेतों में मलबा भर गया है। स्यानाचट्टी में भी कुपड़ा कुंशाला त्रिखिली मोटर पुल खतरे में आ गया है। यमुना नदी का भी जलस्तर बढ़ा हुआ है।

मलबा आने से यमुना नदी का बहाव थमा, झील बनी

यमुनोत्री हाईवे पर स्थित स्याना चट्टी के पास कुपड़ा कुनसाला मोटर मार्ग पर पुल के पास ऊपर से भारी मलवा बोल्डर आने से यमुना नदी का बहाव थम गया और यहां झील बननी शुरू हो गई। स्थानीय लोगों के साथ यमुना नदी तटवर्ती क्षेत्र में रह रहे लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। स्थानीय निवासी जयपाल सिंह रावत ने बताया कि यहां होटल की सीढ़ी तक पानी पहुंच गया है।

दून समेत सात जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट

बीते कुछ दिनों से उत्तराखंड में मानसून पूरी तरह से सक्रिय है। आज (रविवार) से अगले तीन दिन तक प्रदेश के सात जिलों में भारी से भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। जबकि अन्य कई जिलों में भी तेज दौर की बारिश के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेश-ाक बिक्रम सिंह ने बताया कि 29 जून से लेकर एक जुलाई तक दून समेत टिहरी, पौड़ी, चम्पावत, हरिद्वार, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर जिले के कुछ इलाकों में भारी से भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है।

जबकि रुद्रप्रयाग, चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिले के भी कुछ हिस्सों में कई दौर की भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। लोगों को हिदायत देते हुए उन्होंने कहा कि इन तीन दिनों में जलभराव, भूस्खलन होने के साथ नदी–नालों का जलस्तर बढ़ सकता है।

ऐसे में दिन के साथ रात के समय भी अधिक सतर्क रहें और नदी–नालों के आसपास जाने से परहेज करें। इसके अलावा आवश्यक न हो तो पर्वतीय इलाकों में यात्रा करने से बचें।

श्रीनगर में बारिश को देखते हुए तीर्थ यात्रियों को रोका

श्रीनगर गढ़वाल। रविवार को भारी बारिश के कारण चारधाम यात्रा 24 घंटे के लिए स्थगित होने के बाद बद्रीनाथ,केदारनाथ और हेमकुंड सहिब जाने वाले तीर्थ यात्रियों को श्रीनगर में रोका गया। यात्री घंटों तक अपने वाहनों में इंतजार करते नजर आए। जिला और पुलिस प्रशासन की ओर से यात्रा स्थगित किये जाने पर यात्रियों के वाहनों को सुरक्षित स्थानों पर रोका गया है। यात्रियों से अपील की गई है कि वे सुरक्षित स्थान पर रही रुके रहें। केदारनाथ धाम की यात्रा पर जाने वाले इलाहबाद के सुरेन प्रसाद, चांदनी, कमलेश ने बताया कि यात्रा फिलहाल स्थगित किये जाने पर वे पिछले सवा तीन घंटे से आगे निकलने का इंतजार कर रहे हैं। बद्रीनाथ धाम के लिये जा रहे गुजरात के सूरत से पहुंचे आनंद राज, कौटल्य, जाह्नवी और अहिल्या ने बताया कि वे छुट्टी पर यात्रा पर आए हैं। कहा कि उन्हें पता नहीं था कि मौसम अचानक बिगड़ जाएगा। पंजाब के लुधियाना से हेमकुंड साहिब की यात्रा पर निकले हरजीत सिंह, बलजिंदर सिंह और सुरजीत ने बताया कि वे श्रीनगर में मौसम खराब होने पर यात्रियों को रोका गया है। बताया कि वे दोपहर तक सड़क खुलने का इंतजार करते रहे लेकिन मौसम अलर्ट के कारण वह श्रीनगर में ही रुक गए। सीओ श्रीनगर अनुज कुमार ने बताया कि भारी बारिश के कारण चारधाम यात्रा पर 24 घंटे की रोक लगने के बाद श्रीनगर बाजार, श्रीकोट, पौड़ी बस अड्डा और एनआईटी मैदान के पास यात्रियों को सुरक्षित रोका गया। बताया कि यात्रियों को प्रशासन की ओर से जारी गाइडलाइन के अनुसार ही आगे भेजा जायेगा। जानाकरी दी कि रविवार दोपहर तक 60 वाहनों को एनआईटी मैदान में रोका गया और तहसील प्रशासन ने यात्रियों को लंच पैकेट भी उपलब्ध करवाए।

घंटों अवरुद्ध रहे गंगोत्री–यमुनोत्री हाईवे

उत्तरकाशी। बरसात का सिलसिला शुरू होते ही गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे पर जगह–जगह भूस्खलन जोन सक्रिय हो गए हैं। इसके चलते मार्ग लगातार आवागमन के लिए बंद हो रहे हैं। शनिवार रात को हुई भारी बारिश के चलते गंगोत्री और यमुनोत्री हाईवे कई स्थानों पर यातायात के लिए घंटों बाधित रहे, जिसके चलते यात्री खासे परेशान रहे। दोपहर 12 बजे मार्ग बहाल कर दिया गया। हालांकि, बारिश के बीच जिला प्रशासन ने एक दिन के लिए दोनों धाम की यात्रा रोकी है। शनिवार रात को जिले में जगह–जगह भारी बारिश हुई। भारी बारिश के कारण गंगोत्री हाईवे रात में ही नेताला, मनेरी, लालढांग, नलूणा, बिशनपुर आदि स्थानों पर मलबा व पत्थर गिरने से आवाजाही के लिए बाधित हो गए थे। रविवार सुबह पांच बजे बीआरओ की मशीनरी मौके पर पहुंची और मार्ग को खोलने में जुट गई थी। उक्त स्थानों पर 12 घंटे से अधिक समय तक राजमार्ग बाधित रहने के बाद आवाजाही के लिए खुल सका। इसी तरह यमुनोत्री हाईवे पर पालीगाड़, कुथनौर, झाझरगाड़ के समीप रात में हुई बारिश के कारण बाधित हो गया था। रविवार को दोपहर 12 बजे तक इन स्थानों पर मार्ग को बहाल किया गया। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शार्दुल गुसांई ने बताया कि दोनों हाईवे यातायात के लिए सुचारू हैं।

मयाली–बधाणी मार्ग पर पौंठी गदेरे का पुल बहा, आवाजाही ठप

उत्तरकाशी। शनिवार रात को क्षेत्र में भारी बारिश के कारण मयाली रणधार बधाणी मोटर मार्ग पौंठी व मुन्याघर गांव के बीच पौंठगाड गदेरे पर बना मोटर पुल भारी बारिश से बह गया है, जिससे सम्पूर्ण बांगर पट्टी का सम्पर्क कट गया है। क्षेत्र में आवाजाही का एक मात्र मोटर मार्ग बंद होने से क्षेत्र में आवाजाही सहित दैनिक वस्तुओं व बीमार लोगों को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने के लिए क्षेत्रीय लोगों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ेगा। इस पुल के बह जाने से बांगर पट्टी की बधाणी, गैणाणा, धारकुड़ी, सन, कोट, जखवाड़ी, लिस्वाल्टा, खलियाण, पूलन, सिरवाड़ी, पुजारगांव, मुन्याघर सहित कई गांवों की यातायात व्यवस्था ठप हो गया है। जबकि पौंठी गांव के ठीक नीचे से गुजरने वाला सिंराई नन्दवाणगांव भटवाड़ी मोटर मार्ग पर भी ऊपर से मल्वा आने से मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। जिससे यहां भी आवाजाही बंद हो गई है। क्षेत्रीय लोगों ने शासन प्रशासन व विभागीय अधिकारियों से शीघ्र वैकल्पिक व्यवस्था करवाए जाने की मांग की है। कई फलदार पेड़ तबाह, मकान को भी खतरा जखोली। बीती रात हुई अतिवृष्टि के चलते ग्राम जखवाडी तल्ली (थापला) में कई फलदार वृक्ष बह गए हैं जबकि एक मकान भी खतरे की जद में आ गया है। राज्य आंदोलनकारी बालकृष्ण सेमवाल ने बताया कि भारी बारिश के कारण ऊपरी क्षेत्र से मलबा आने से मेरे 5 खेत तबाह हो गए हैं। जबकि अखरोट, नीबू, संतरे सहित कई फलदार वृक्ष बह गए हैं जिससे काफी आर्थिक नुकसान हुआ है। वहीं जमीन धंसने से आवासीय भवन पर भी दरारें आ रही हैं भविष्य में मकान को भी खतरा पैदा हो गया है।

जिस्म के सौदागरों पर पुलिस का प्रहार, आपत्तिजनक हालत में पकड़े गए 5 लोग

देहरादून। राजधानी के एक गेस्ट हाउस में देह व्यापार के गंदे खेल का भंडाफोड़ हुआ है। मौके पर पुलिस को 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें तीन महिला और दो पुरुषों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा गया है। एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) और शहर कोतवाली पुलिस की देर रात हुई छापेमारी में इस धंधे का पता चला है। गिफ्तार लोग बिहार और पश्चिम बंगाल के बताए जा रहे हैं।

एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि छापेमारी के दौरान पुलिस ने गेस्ट हाउस के अलग–अलग कमरों में दो पुरुषों और तीन महिलाओं को आपत्तिजनक स्थिति में पाया। मौके से आपत्तिजनक सामग्री और नगदी भी बरामद की गई। पुलिस ने गेस्ट हाउस के मैनेजर सहित कुल 5 लोगों गिरफ्तार किया और उनके खिलाफ शहर कोतवाली में अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।एसएसपी के मुताबिक गेस्ट हाउस के मैनेजर ने बताया कि गेस्ट हाउस को चमोली निवासी नरेंद्र सिंह रावत ने लीज पर लिया था। यहां बाहरी राज्यों महिलाओं को बुलाकर अनैतिक देह व्यापार करवाया जा रहा था। ग्राहकों से फोन पर संपर्क कर उन्हें गेस्ट हाउस में बुलाया जाता था और कमीशन के आधार पर महिलाओं–युवतियों के पास भेजा जाता। होटल को लीज पर लेने का आरोपी फरार है।

भारत–पाक सीमा के पास मिला युवक और नाबालिग का शव

जैसलमेर , राजस्थान के जैसलमेर में भारत–पाकिस्तान बॉर्डर के पास एक युवक और नाबालिग लड़की का शव मिला है। जिले के एसपी ने इसकी पुष्टि की है। मौके से एक पाकिस्तानी सिम और आईडी कार्ड भी बरामद किया गया है। दरअसल, ये दोनों शव जैसलमेर जिले के साधेवाला क्षेत्र में स्थित भारत–पाकिस्तान सीमा के पास मिले हैं। मृतकों में एक 18 वर्षीय युवक और एक 15 वर्षीय नाबालिग लड़की शामिल हैं। शवों की हालत से अनुमान लगाया जा रहा है कि दोनों की मौत करीब सात दिन पहले हुई होगी। शव भारत–पाक तारबंदी से 10–12 किलोमीटर भीतर भारतीय क्षेत्र में पाए गए हैं। घटनास्थल पर एक पाकिस्तानी सिम कार्ड और एक आईडी कार्ड मिलने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। आईडी कार्ड के अनुसार, युवक का नाम रवि कुमार (उम्र 18 वर्ष) है। भारत–पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास दो शव मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गईं। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और बीएसएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने शवों को पोस्टमार्टम के लिए रामगढ़ सीएचसी की मोर्चरी में रख दिया।

मन की बात में बोले पीएम मोदी

दुनिया में बढ़ रही है योग की भव्यता

नई दिल्ली ,पीएम नरेंद्र मोदी ने आज 'मन की बातइ के 122वें एपिसोड के तहत देश को संबोधित किया। एपिसोड की शुरुआत में उन्होंने योग दिवस के बारे में बात की। उन्होंने कहा– 21 जून को देश दुनिया के करोड़ों लोगों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में हिस्सा लिया। योग की भव्यता बढ़ती जा रही, लोग दैनिक जीवन में इसे अपना रहे। पीएम ने कहा, इमरजेंसी के दौर में लोगों को प्रताड़ित किया गया। अनेक लोगों को कठोर यातनाएं दी गईं। मीसा के तहत किसी को भी ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया जाता था, उन पर ऐसे ही अमानवीय अत्याचार किए गए। आखिर में जनता की जीत हुई और आपातकाल हटा लिया गया। जनता की जीत हुई और आपातकाल लगाने वालों की हार हुई। पीएम ने कहा, हमने इस बार योग दिवस की कितनी ही आकर्षक तस्वीरें देखीं। विशाखापत्तनम में 3 लाख लोगों ने एक साथ योग किया। हमारे नौसेना के जहाजों पर भी योग दिवस की झलक दिखी। दिल्ली के लोगों ने स्वच्छ के संकल्प से जोड़ा। जम्मू में लोगों ने दुनिया के सबसे उंचे ब्रिज पर योग किया।

भरतपुर में चंबल पाइपलाइन डालने के दौरान मिट्टी में दबे 12 लोग

एक ही परिवार के 3 लोगों की दर्दनाक मौत

भरतपुर ,भरतपुर जिले के गहनौली थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक हृदयविदारक हादसा हो गया, जब चंबल प्रोजेक्ट के तहत पाइप लाइन डालने के दौरान मिट्टी ढहने से एक ही परिवार के 12 लोग मलबे में दब गए। हादसे में दो महिलाओं और एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात लोगों को ग्रामीणों और प्रशासन की मदद से बाहर निकाला गया है। बाकी लोगों की तलाश और बचाव कार्य अब भी जारी है।यह हादसा रूपवास के समीप जग्गी का नगला गांव में सुबह करीब 8:30 बजे हुआ, जहां चंबल परियोजना के तहत पानी की पाइपलाइन बिछाने का कार्य चल रहा था। फतेहपुर सीकरी (उत्तर प्रदेश) के उत्तु सांवरा गांव के निवासी 10 से 12 लोग पास ही निकाली जा रही पीली मिट्टी को भरने के लिए पहुंचे थे। तभी अचानक खुदाई के दौरान करीब 10–12 फीट गहरे गड्ढे की मिट्टी ढह गई और सभी लोग उसमें दब गए। घटना की सूचना मिलते ही गहनौली थाना प्रभारी विजय सिंह समेत पुलिस व जिला प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। ग्रामीणों ने भी मौके पर पहुंचकर फावड़े और जेसीबी मशीन की मदद से राहत कार्य शुरू किया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद अब तक 7 लोगों को बाहर निकाला जा चुका है, जिनमें कुछ घायल हैं और उनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। मृतकों की पहचान 24 वर्षीय अनुकूल पुत्र विजेंद्र सिंह, 45 वर्षीय विमला पत्नी श्रीपति, और 55 वर्षीय विनोद पत्नी मुंशीलाल के रूप में हुई है। ये तीनों उत्तु सांवरा फतेहपुर सीकरी के ही निवासी हैं और आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं।

पीसीएस की प्रारंभिक परीक्षा में शामिल हुए 50,419 अभ्यर्थी

हरिद्वार(। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की ओर से रविवार को उत्तराखंड सम्मिलित राज्य सिविल / प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारम्भिक परीक्षा (वस्तुनिष्ठ प्रकार)–2025 का आयोजन किया गया। पीसीएस की प्रारंभिक परीक्षा में अभ्यर्थियों की उपस्थिति करीब 50 प्रतिशत रही। प्रथम सत्र में अभ्यर्थियों की उपस्थिति 51,187 रही, जबकि द्वितीय सत्र में अभ्यर्थियों की उपस्थिति 50,419 रही। आयोग के सचिव गिरधारी सिंह रावत ने बताया कि पीसीएस–2025 की प्रारंभिक परीक्षा राज्य के समस्त जनपदों में स्थित कुल 271 परीक्षा केन्द्रों में संपन हुई। इस परीक्षा के लिए कुल पंजीकृत 1,01,964 अभ्यर्थियों में से प्रथम सत्र की परीक्षा में 51,187 अभ्यर्थी उपस्थित तथा 50,777 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार प्रथम सत्र की परीक्षा में उपस्थित अभ्यर्थियों का कुल प्रतिशत 50.20 रहा। द्वितीय सत्र की परीक्षा में 50,419 अभ्यर्थी उपस्थित तथा 51,545 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

हरिद्वार में चेतावनी निशान के करीब पहुंची गंगा, घाट खाली कराए

हरिद्वार। भीमगोड़ा बैराज पर रविवार को गंगा का जलस्तर 292.90 मीटर रिकॉर्ड हुआ। इस दौरान गंगा चेतावनी निशान से मात्र 10 सेंटीमीटर नीचे बही। करीब दो घंटे तक गंगा चेतावनी निशान के आसपास बहती रही। दिन में गंगा का जलस्तर बढ़ने के बाद प्रशासन और पुलिस अलर्ट पर रहे। ऋषिकेश के पशुलोक बैराज से गंगा में करीब डेढ़ लाख क्यूसेक पानी की फ्लशिंग की गई थी। वहीं, गंगनहर में सिल्ट की मात्रा बढ़ने के बाद गंगनहर को बंद किया गया है। रविवार को भीमगोड़ा बैराज पर सुबह के समय गंगा का जलस्तर बढ़ा गया। सूचना के बाद जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बाढ़ चौकियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। साथ ही गंगा के किनारे रहने वालों लोगों से सुरक्षित स्थान पर जाने का आग्रह किया। गंगा में स्नान करने वाले लोगों को भी गंगा का जलस्तर बढ़ने की चेतावनी दी गई। वहीं डीएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए। दिन में कई दफा डीएम ने गंगा के जलस्तर की जानकारी यूपी सिंचाई विभाग के अधिकारियों से ली। गंगा के तटीय इलाकों में बसे गांवों को अलर्ट में रखा गया है। बता दें कि भीमगोड़ा बैराज पर गंगा का चेतावनी निशान 293 मीटर है। रविवार को सुबह 11 बजे गंगा 292.90 मीटर पर बही। जो चेतावनी निशान से महज 10 सेंटीमीटर नीचे रहा। अधिशासी अभियंता विकास त्यागी ने बताया कि सुबह गंगा का जलस्तर चेतावनी निशान के करीब पहुंच गया। बताया कि गंगा का चेतावनी निशान 293 मीटर और खतरे का निशान 294 मीटर पर है।

डेढ़ लाख क्यूसेक पानी किया डिस्चार्ज

बैराज के जेई हरीश कुमार ने बताया कि सामान्य समय में बैराज से एक लाख से एक लाख 25 हजार क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज लेवल होता है। लेकिन जलस्तर बढ़ने के बाद रविवार को डिस्चार्ज लेवल डेढ़ लाख क्यूसेक रहा।

मुख्यमंत्री ने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचकर लिया जायजा

– मानसून के दृष्टिगत दो माह तक 24 घण्टे अलर्ट मोड पर रहने के अधिकारियों को दिये निर्देश – नियमित रूप से ग्राउंड पर रहकर सभी व्यवस्थाएं देखेंगे अधिकारी – श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों पर ठहराने, भोजन, दवा और बच्चों को दूध की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के दिये निर्देश – गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व अस्पतालों तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए: सीएम

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को आईटी पार्क, स्थित उत्तर-खण्ड राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र पहुंचकर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही वर्षा की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने मानसून के दृष्टिगत आगामी दो माह तक शासन और प्रशासन के अधिकारियों को 24 घण्टे अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिये हैं। मानसून अवधि के दौरान अधिकारियों को नियमित रूप से ग्राउंड पर रहकर सभी व्यवस्थाएं करने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिये हैं।

मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा पर आये सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा की दृष्टि संबंधित जिलाधिकारियों को आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के लिए भोजन, दवाइयों और बच्चों के लिए दूध और अन्य मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अत्यधिक बारिश की सम्भावनाओं के दृष्टिगत और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए अगले 24 घंटे के लिए चारधाम यात्रा को रोका गया है।

मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि नदियों और गदेरे के आस–पास रह रहे और आपदा की दृष्टि से संवेदनशील स्थलों पर रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जाए। उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि जिन क्षेत्रों में निर्माण कार्य चल रहे हैं, वहां पर लोग सुरक्षित स्थानों पर हों। मुख्यमंत्री ने उत्तरकाशी के तहसील बड़कोट क्षेत्र में बादल फटने की वजह से मिसिंग मजदूरों के सर्च और रेस्क्यू अभियान में और तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिये हैं। 29 मजदूरों में से 20 को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और जिला प्रशासन का सर्च अभियान जारी है, दो शवों को निकाल लिया गया है। उन्होंने कहा कि रूद्रप्रयाग में हुए वाहन दुर्घटना में जो लोग अभी लापता हैं, उनकी खोजबीन कार्यों में और तेजी लाई जाए।

मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी जनपदों में गर्भवती महिलाओं की डाटा बेस बनाया जाए। सितम्बर माह तक जिन महिलाओं का डिलीवरी होनी है, उनका नियमित अपडेट रखा जाए। प्रसव पूर्व उन्हें अस्पतालों तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। जच्चा और बच्चा की सुरक्षा की दृष्टि से सभी प्रभावी कदम उठाये जाए।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान जिलाधिकारियों से विभिन्न जनपदों में हो रही बारिश, सड़कों की स्थिति एवं अन्य मूलभत सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि बारिश के कारण जो सड़के क्षतिग्रस्त हो रही हैं, उनको जल्द खुलवाने की व्यवस्था की जाए। संवेदनशील स्थानों पर जेसीबी और अन्य आवश्यक उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जिन क्षेत्रों में नदी, नाले, गदेरे रास्ते बदल सकते हैं, ऐसे क्षेत्रों में आश्यकता पड़ने पर चैनलाइजेशन और अन्य प्रबंधन जो सुरक्षात्मक दृष्टि से हो सकते हैं, किये जाएं।

इस अवसर पर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, विनोद कुमार सुमन, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डेय, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप, अपर सचिव बंशीधर तिवारी, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी आनंद स्वरूप, राजकुमार नेगी एवं वर्चुअल माध्यम से सभी जिलाधिकारी जुड़े थे।

सम्पादकीय

आसमानी आफत की चुनौती

मानसून की शुरुआत के साथ ही उत्तराखंड में आसमानी आफत का कर शुरू हो चुका है। पहाड़ से लेकर मैदान तक बरसात अपना असर दिख रही है और जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित है। वही उत्तराखंड की चार धाम यात्रा पर भी इसका व्यापार का असर देखने को मिला है और एक यात्रियों की संख्या में भी अब धीरे–धीरे कमी देखने शुरू हो गई है। उत्तराखंड में मानसून के दौरान हमेशा से ही भारी बरसात के कारण यह परिस्थितियों उत्पन्न होती हैं और राज्य सरकार इसके लिए मानसून से पूर्व ही व्यापक प्रबंध करती है लेकिन बावजूद इसके उत्तराखंड की विषम भौगोलिक परिस्थितियों प्राकृतिक आपदाओं को निमंत्रण देता है। जगह–जगह लैंड स्लाइडिंग की घटनाएं होने लगी है तो वहीं ऐसे मौके पर यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता पर रखा जा रहा है। चार धाम यात्रा पर 24 घंटे की रोक लगाई गई है लेकिन पहली प्राथमिकता उन लोगों की सुरक्षा है जो यात्रा मार्ग पर हैं। ऐसे ही परिस्थितियों को देखते हुए मुख्यमंत्री से राहतकारी एवं व्यवस्थाओं का आकलन कर रहे हैं और समस्त सरकारी मशीनरी को आपदा राहत में जुट जाने के लिए कहा गया है। जिला स्तर पर टीमों को 24 घंटे अलर्ट रहने को कहा गया है ताकि हर यात्री और नागरिकों की सुरक्षा में कोई अनदेखी या लापरवाही न होने पाए। अभी आने वाले दिनों में मानसून अपना और असर दिखाएगा जबकि अभी तो इसे केवल एक शुरुआत ही माना जा रहा है। मौसम विभाग पहले ही इस बार अच्छे मानसून की संभावनाएं जाता रहा है तो इन परिस्थितियों में उत्तराखंड के लिए मानसून काफी जटिलता और चुनौतियों से परिपूर्ण साबित होने वाला है। खासतौर से यात्रा मार्ग पर सफर करने वालों एवं पहाड़ों में रहने वाले लोगों के लिए बेहद सतर्क रहने का समय है। सरकार की कोशिश है कि समय पर या फिर समय से पूर्व संभावित स्थलों पर आपदा रहती में उपलब्ध रहे ताकि किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदा या फिर सड़क दुर्घटनाओं के दौरान तत्काल बचाव व राहत कार्य शुरू किया जा सके। यह भी जरूरी है कि फिलहाल मानसून को देखते हुए मौसम का पूर्वानुमान करते हुए ही यात्रा की योजना बनाई जाए। सरकार यात्री और अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए कृत संकल्प है लेकिन यह सभी का कर्तव्य है कि उत्तराखंड की भौगोलिक स्थिति और मानसून की गति को देखते हुए अपनी जिम्मेदारियां को भी समझें।

जलवायु क्षेत्र में भारत की ग्यारह वर्षों की प्रगति

भूपेंद्र यादव

मानव द्वारा उत्पन्न जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पूरी दुनिया में महसूस किए जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन पर अंतर–सरकारी पैनल (आईपीसीसी) की छठी आकलन रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 2011–20 के दशक में पृथ्वी का तापमान, पूर्व–औद्योगिक काल (1850–1900) की तुलना में 1.1 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। साथ ही, विकसित देश वैश्विक कार्बन बजट में असंगत हिस्सेदारी रखने के बावजूद जलवायु कार्रवाई को गति देने के लिए आवश्यक साधन प्रदान करने के प्रति इच्छुक नहीं दिखाई देते।

इस वैश्विक परिदृश्य के बीच भारत के 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' के प्राचीन वैदिक सिद्धांत ने सहस्राब्दियों से मानव सभ्यता का मार्गदर्शन किया है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के कारण अस्तित्व की चुनौती से जूझ रही है, तो जलवायु प्रबंधन के प्रति भारत की कालातीत वैदिक ज्ञान की प्रतिध्वनि विश्व को मार्ग दिखा रही है।

एक ओर, वैश्विक समुदाय अक्सर जलवायु परिवर्तन से उपजी तापमान वृद्धि, अनियमित मौसम पैटर्न और आपदाओं में वृद्धि जैसी इअसुविधाजनक सच्चाइयोंइ में उलझा हुआ है। दूसरी ओर, भारत ने 'सुविधाजनक कार्रवाईइ के दर्शन को सामने रखा है। हमारे सभ्यतागत लोकाचार में निहित इस दृष्टिकोण ने पिछले ग्यारह वर्षों में भारत को एक कर्तव्यनिष्ठ वैश्विक जलवायु नागरिक में बदल दिया है।

अथर्ववेद का एक श्लोक है,

यत् किञ्च पृथिव्यां पृथिवीमनुत्तं हितं चेद् तत् तवायतु।

मा नः पृथिव्याः परं हिंसिष्टाः।

पृथ्वी का जो कुछ भी हम खनन करते हैं, उसे जल्दी से भरने दें, हम पृथ्वी के प्राण–तत्वों पर आघात न करें और न ही उसके हृदय को क्षति पहुंचाएं।

यह श्लोक आधुनिक जलवायु विज्ञान से हज़ारों साल पहले के पुनर्निर्माण पर आधारित प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के सिद्धांतों को दर्शाता है। इस प्राचीन ज्ञान को जलवायु कार्रवाई के प्रति हमारे दृष्टिकोण पर आधारित समकालीन नीतिगत ढाँचों में पिरोया गया है, जिससे पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक कार्रवाई का एक अनूठा तालमेल बना है।

इस दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, 2014 में पदभार ग्रहण करने के कुछ सप्ताह के भीतर ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक सरल लेकिन दूरगामी प्रशासनिक निर्णय के माध्यम से अपनी जलवायु प्रतिबद्धता और दूरदर्शिता का परिचय दिया। पर्यावरण और वन मंत्रालय में 'जलवायु परिवर्तनइ को जोड़कर, उन्होंने जलवायु कार्रवाई को क्षेत्र–संबंधी चिंता के सीमित दायरे से निकालकर शासन की प्राथमिकता में ला दिया। 2015 में जलवायु परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय अनुकूलन कोष का निर्माण इस प्रतिबद्धता का ही उदाहरण है, जिसके द्वारा राज्यों को जलवायु संकट से निपटने से संबंधित संसाधन प्रदान किए जाते हैं। कई राज्य सरकारों ने अपने स्वयं के जलवायु परिवर्तन विभाग स्थापित करके इस कदम का समर्थन किया, जिससे जलवायु कार्रवाई की एक संघीय व्यवस्था तैयार हुई।

2015 में, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने वैश्विक जलवायु वार्ता में अग्रणी भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री खुद पेरिस गए और पेरिस समझौते को अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे धरती के संरक्षण में भारत की उच्च स्तरीय प्रतिबद्धता स्पष्ट हुई। ऐसे देशों के विपरीत, जो जलवायु प्रतिबद्धताओं को बोझ के रूप में देखते हैं, भारत ने इसी वर्ष पेरिस में आयोजित कॉप–21 में अपने पहले राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को पूरा करके ठोस कार्रवाई का प्रदर्शन किया। यह देश की घरेलू अनिवार्यताओं और अपनी राष्ट्रीय परिस्थितियों द्वारा निर्देशित वैश्विक समुदाय के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रकटीकरण था।

पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर करने के समय यानी 2015 में ही एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) का गठन हुआ, जो लगातार मजबूत होता गया और आज 120 से अधिक देश इसके सदस्य हैं। इस गठबंधन ने सौर ऊर्जा संपन्न देशों के लिए स्वच्छ ऊर्जा समाधानों पर सहयोग करने हेतु एक मंच तैयार किया है। नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) को दिए गए प्रोत्साहन से, इसकी स्थापित क्षमता 2014 के मात्र 76 गीगावाट से बढ़कर मार्च 2025 में 220 गीगावाट हो गई है और 2030 तक इसके 500 गीगावाट तक पहुंचने की संभावना है। स्थापित क्षमता के संदर्भ में भारत की बात करने तो हम आरई में चौथे, पवन ऊर्जा में चौथे और सौर ऊर्जा में तीसरे स्थान पर हैं। एक दशक में यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

सरकार द्वारा अपनी कई योजनाओं के माध्यम से परिवर्तनकारी जलवायु कार्रवाई के लिए भारत की प्रतिबद्धता को गति प्रदान की गई है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (2016) से लाखों महिलाओं को खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन मिला, जो दर्शाता है कि जलवायु कार्रवाई का सामाजिक न्याय के साथ तालमेल कैसे बिठाना चाहिए। पीएम–कुसुम योजना (2019) ने किसानों को सौर ऊर्जा समाधानों के जरिये सशक्त बनाया, वहीं रूफटॉप सौर कार्यक्रम से पूरे देश में नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने में तेजी आयी है।माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 23 सितंबर, 2019 को न्यूयॉर्क शहर में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) की घोषणा की, जिसकी औपचारिक शुरुआत 28 अगस्त, 2019 को हुई थी। इससे आपदा–रोधी अवसंरचना विकास को बढ़ावा देने में एक वैश्विक साझेदारी का निर्माण हुआ। स्वीडन के साथ साझेदारी में लीडआईटी (उद्योग में बदलाव के लिए नेतृत्व समूह) बनाया गया, जो जलवायु लक्ष्यों के लिए औद्योगिक बदलाव के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। सौर विनिर्माण (2020) के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना से घरेलू सौर विनिर्माण क्षमता मजबूत हुई, आयात पर निर्भरता कम हुई और एक मजबूत स्वदेशी सौर इकोसिस्टम का निर्माण हुआ।

2021 में ग्लासगो में आयोजित कॉप 26 में भारत ने देश के जलवायु परिदृश्य को और मजबूत करते हुए ऐतिहासिक घोषणाएँ कीं। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपने वक्तव्य में भारत के महत्वाकांक्षी अभियान पंचामृत की घोषणा की गई। पंचामृत यानी पाँच अमृत तत्व, जिसमें जलवायु प्रतिबद्धता को बढ़ाना और 2070 तक नेट–जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करना शामिल है। इसी संबोधन के दौरान, प्रधानमंत्री ने मिशन लाइफ़ – पर्यावरण के लिए जीवनशैली की शुरुआत की, ताकि वैश्विक स्तर पर नागरिकों को जलवायु परिवर्तन के खिलाफ़ सामूहिक लड़ाई में शामिल किया जा सके। इस ऐतिहासिक प्रतिबद्धता ने भारत को विकासशील देशों के बीच जलवायु नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित किया।12 नवंबर, 2021 को ग्लासगो में कॉप 26 के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने आईआरआईएस (सुदृढ़ द्वीप देशों के लिए अवसंरचना) लॉन्च किया, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, फिजी, जमैका, मॉरीशस और यूके के प्रधानमंत्रियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम से जलवायु–संवेदनशील देशों के प्रति वैश्विक एकजुटता प्रदर्शित की गई। भारत ने 2022 में अपने एनडीसी को परिवर्तित करते हुए उसमें संरक्षण और संयम की परंपराओं और मूल्यों के आधार पर स्वस्थ और सतत जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए एक गुणात्मक लक्ष्य के रूप में मिशन लाइफ को शामिल किया। इसी क्रम में, नवंबर 2022 में भारत ने अपनी दीर्घकालिक कम उत्सर्जन विकास रणनीति (एलटी–एलईडी) प्रस्तुत की, जिसमें 2070 तक नेट–जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के साथ–साथ सतत विकास के लिए एक रूपरेखा प्रदान की गई है। इसी वर्ष राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन का शुभारंभ हुआ, जिससे भारत हरित हाइड्रोजन उत्पादन और निर्यात में एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभरा, जो ऊर्जा स्वतंत्रता और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाने की हमारी दृष्टि के अनुरूप है।

वर्ष 2023 में विकसित भारत 2047 की घोषणा, एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हुई, जो 2047 तक पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था तथा प्रकृति और प्रगति के बीच एक नाजुक संतुलन बनाए रखते हुए विकसित राष्ट्र बनने के प्रति भारत का विज़न है। भारत की जलवायु कार्रवाई, 2047 तक विकसित भारत के विज़न के अनुरूप है। जलवायु परिवर्तन को कम करने की दिशा में कार्रवाई के अलावा, भारत ने व्यापक जलवायु रिपोर्टिंग का प्रदर्शन करते हुए द्विवार्षिक प्रगति रिपोर्ट के साथ अपना अनुकूलन संवाद भी प्रस्तुत किया है।2024 में बदलाव लाने वाली दो नागरिक केंद्रित पहलों की शुरुआत हुई। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने सौर ऊर्जा तक पहुँच को लोकतांत्रिक बनाया, जबकि एक पेड़ माँ के नाम के शुभारंभ ने वनीकरण को एक जन आंदोलन का रूप दिया। इन कार्यक्रमों के जरिये प्रत्येक नागरिक को जलवायु कार्रवाई में योगदान देने के लिए सशक्त बनाया गया। ऊर्जा सुरक्षा और स्थायित्व हासिल करने के लिए परमाणु ऊर्जा को एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में मान्यता देते हुए, 2025 में विकसित भारत के लिए राष्ट्रीय ऊर्जा मिशन और राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन का शुभारंभ किया गया। आम बजट 2025–26 में इसके लिए 20,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इस बजट के साथ यह परमाणु ऊर्जा मिशन, छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) के अनुसंधान और विकास पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसका लक्ष्य 2033 तक कम से कम पांच स्वदेशी रूप से डिजाइन किये गये और संचालन योग्य एसएमआर विकसित करना है। निस्संदेह यह मिशन भारत को अगली पीढ़ी की परमाणु प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी देश के रूप में स्थापित करेगा। भारत 2030 तक अपने उन्नत एनडीसी को प्राप्त करने के लिए प्रगति–पाथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा पर है और 2030–35 की अवधि के लिए एनडीसी के संशोधन की तैयारी कर रहा है। भारत जलवायु कार्रवाई में निरंतर सुधार का प्रदर्शन कर रहा है और संभावना है कि देश शीघ्र ही पहली राष्ट्रीय अनुकूलन योजना भी प्रस्तुत करेगा।

भारत, शमन उपायों के माध्यम से आपूर्ति पक्ष पर और व्यक्तिगत स्तर पर पर्यावरण–अनुकूल जीवन शैली को बढ़ावा देकर मांग पक्ष पर जलवायु कार्रवाई कर रहा है।

सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि भारत ने जनभागीदारी के आह्वान के साथ जलवायु कार्रवाई को सरकारी जिम्मेदारी से एक जन आंदोलन में बदल दिया है।

भारत की अंतर्राष्ट्रीय जलवायु पहल वसुधैव कुटुम्बकम के प्राचीन भारतीय सिद्धांत को मूर्त रूप देती है। अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए), आपदा रोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन (सीडीआरआई), वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन, लीडआईटी और अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट गठबंधन (आईबीसीए) चुनौतियों पर अटके रहने के बजाय, सिद्धांतों पर अमल करने और समाधान साझा करने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। भारत की जी 20 अध्यक्षता के दौरान, पर्यावरण और जलवायु कार्य समूह से अलग कई अन्य कार्य समूहों में जलवायु संबंधी विचारों को मुख्यधारा में लाया गया। विकास कार्य समूह ने सतत विकास के लिए जीवनशैली पर ध्यान केंद्रित किया, जबकि ऊर्जा कार्य समूह ने न्यायसंगत और समावेशी ऊर्जा स्रोतों में बदलाव पर ध्यान केंद्रित किया।

यह पहले दिखाती हैं कि जलवायु संबंधी चिंताएँ क्षेत्रीय सीमाओं को कैसे पार करतीं हैं। भारत ने वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन की भी शुरुआत की, जिससे स्थायी जैव ईंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए एक मंच तैयार हुआ। असुविधाजनक सत्य को सुविधाजनक कार्रवाई में बदलते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने सिद्ध किया है कि जलवायु नेतृत्व के लिए न केवल वैज्ञानिक समझ की आवश्यकता होती है, बल्कि मानवीय कार्रवाई को प्राकृतिक सामंजस्य के साथ जोड़ने की समझ की भी जरूरत होती है।

खेल क्षितिज में छत्तीसगढ़ का नाम तेजी से उभर रहा

हीरा देवांगन

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा विश्वस्तरीय खेल अधोसंरचना और खिलाड़ियों को दिए जा रहे प्रोत्साहन की बदौलत देश के खेल क्षितिज में छत्तीसगढ़ का नाम तेजी से उभर रहा है, इसके चलते नए–नए खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपना जौहर दिखा रहे हैं। राज्य के खिलाड़ियों को मैदानों से निकलकर मेडल तक का सफर तय करने में अब कम वक्त लग रहा है। इसका हालिया उदाहरण बैडमिंटन में आकर्षी कश्यप का है, जिन्होंने अपनी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चमक बिखेरी है। छत्तीसगढ़ में उपलब्ध सुविधाओं को देखते हुए बीसीसीआई ने दो अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच के आयोजन की घोषणा की है। पहली बार नवा रायपुर स्थित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दो महीने के भीतर दिसंबर एवं जनवरी माह में भारत दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के विरूद्ध अंतर्राष्ट्रीय वन डे एवं टी–20 मैच खेलेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता को 3 करोड़ रूपए, रजत पदक विजेता को 2 करोड़ रूपए और कास्य पदक विजेता को 1 करोड़ रूपए दिए जाने की घोषणा की है। एक समय में क्रिक्रेट में राजेश चौहान, हॉकी में सबा अंजुम सहित अनेक खिलाड़ियों ने छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई थी। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान में क्रिक्रेट में शशांक सिंह और अमनदीप तथा हॉकी में रेणुका यादव, जैसे चमकते सितारे छत्तीसगढ़ से हैं। राज्य में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर क्रिक्रेट स्टेडियम, हॉकी स्टेडियम, स्विमिंग पुल जैसी सुविधा उपलब्ध है तथा बैडमिंटन अकादमी निर्माणाधीन है।

केंद्र सरकार की खेलो इंडिया और स्पोर्टस ऑथारिटी ऑफ इंडिया के साथ छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खेल प्रतिभाओं को तराशने के लिए प्रदेश में एक मज़बूत ढांचा खड़ा किया जा रहा है। रायपुर स्थित तीरंदाजी और बालिका हॉकी अकादमी में 80 खिलाड़ियों को निःशुल्क प्रशिक्षण, आवास, भोजन और शिक्षा की सुविधा दी जा रही है। गैर–आवासीय अकादमियों में 130 से अधिक खिलाड़ी विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण ले रहे हैं। बिलासपुर स्थित बहतराई केंद्र को भारत सरकार द्वारा स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा दिया गया है, जहां 180 खिलाड़ी हॉकी, एथलेटिक्स, तीरंदाजी और कबड्डी में अभ्यासरत हैं। साथ ही, शिवतराई स्थित उपकेंद्र में 45 खिलाड़ी तीरंदाजी की बारीकियाँ सीख रहे हैं।राष्ट्रीय स्तर पर भी छत्तीसगढ़ की चमक बढ़ी है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स और पैरा गेम्स में प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। 2024 में तमिलनाडु में हुए 6वें खेलो इंडिया यूथ गेम्स में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने 7 पदक जीते। दिल्ली में हुए पहले खेलो इंडिया पैरा गेम्स में 7 पैरा–खिलाड़ियों ने 5 पदक जीते। बिहार में 2025 में हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स में प्रदेश के खिलाड़ियों ने 14 पदक छत्तीसगढ़ के नाम किए। गोवा में आयोजित 37वें नेशनल गेम्स में 72 खिलाड़ियों ने भाग लेकर 25 पदक जीते, जबकि उत्तराखंड में हुए 38वें नेशनल गेम्स में 58 खिलाड़ियों ने 16 पदक अर्जित किए।छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खेल अधोसंरचना को बढ़ाने के लिए रायगढ़ और कुनकुरी में इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की स्वीकृति दी गई है। बलौदाबाजार में 14 करोड़ रुपये के इंडोर स्टेडियम और नवा रायपुर में स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का कार्य जारी है। तिल्दा–नेवरा, मोपका में बहुद्देशीय हॉल और बलौदाबाजार में 8–लेन सिंथेटिक ट्रैक बन रहे हैं, जो खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा देंगे। ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने के लिये प्रदेश के सभी 33 जिलों में खेलो इंडिया लघु केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों में हॉकी, तीरंदाजी, मलखंभ, कुश्ती और फुटबॉल जैसे खेलों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बस्तर ओलंपिक में सात जिलों के 1.65 लाख से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया।प्रदेश सरकार द्वारा लंबे समय से लंबित खेल पुरस्कारों का वितरण कर प्रतिभाओं को उनका हक प्रदान किया। 230 खिलाड़ियों को प्रतिष्ठित खेल सम्मानों से नवाजा गया, जिनमें शहीद राजीव पांडेय, शहीद कौशल यादव, वीर हनुमान सिंह, शहीद पंकज विक्रम एवं शहीद विनोद चौबे सम्मान शामिल है। इसके अतिरिक्त पदक विजेता खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देकर खिलाड़ियों की प्रतिभा और मेहनत का सम्मान किया गया। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर वर्ष 2024–25 के गुण्डाधुर सम्मान, महाराजा प्रवीरचंद्र भंजदेव सम्मान से एक–एक खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

अजय देवगन की सन ऑफ सरदार 2 का टीजर रिलीज

अजय देवगन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2 का टीजर रिलीज हो गया है, जिसका फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार था। इस फिल्म में अजय देवगन ने जस्सी का किरदार निभाया है। इसके टीजर में जोरदार कॉमेडी देखने को मिल रही है और साथ–साथ एक्शन की भी झलक दिखी है। आइए देखें ट्रेलर।

बड़े इंतजार के बाद अजय देवगन की आगामी फिल्म सन ऑफ सरदार 2 का टीजर आज गुरुवार को रिलीज कर दिया गया है। इसके टीजर में दिखाया गया है कि अजय देवगन एक बार फिर से जस्सी के किरदार में वापस आ रहे हैं। फिर वह एक विदेशी शादी के चक्कर में फंस जाते हैं, जिसके बाद सारा ड्रामा शुरू हो जाता है और भरपूर एक्शन भी दिखाई देता है। इसके अलावा फिल्म के टीजर में मृणाल ठाकुर, रवि किशन, संजय मिश्रा, विंदू दारा सिंह, चंकी पांडे, दीपक डोबरियाल, कुबरा सैत, शरत सक्सेना, अश्विनी कालसेकर जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं। अंत में दिखाया जाता है कि अजय देवगन पंजाब में तो सर्वाइव कर गए, पर क्या स्कॉटलैंड में टिक पाएंगे?

सिद्धार्थ की 3बीएचके रिलीज डेट से उठा पर्दा, मेकर्स ने नए पोस्टर के साथ बताई तारीख

सिद्धार्थ जिन्होंने कभी फीलगुड एंटरटेनर और रोमांटिक फिल्मों के साथ इंडस्ट्री पर राज किया था, इन दिनों फ्लॉप फिल्मों की झड़ी लगी हुई है। वह फिल्म प्रेमियों का मनोरंजन करने के लिए 3बीएचके नाम की दिलचस्प फिल्म लेकर आ रहे हैं।

फिल्म का निर्देशन श्री गणेश ने किया है। लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट तय कर दी है। फिल्म 4 जुलाई 2025 को रिलीज होगी। मेकर्स ने नए पोस्टर के साथ रिलीज डेट की घोषणा की।

इस फैमिली एंटरटेनर में गुड नाइट फेम मीथा रघुनाथ मुख्य भूमिका में हैं, जबकि चैत्रा जे अचारा अहम भूमिका निभा रही हैं। फिल्म में सरथ कुमार, देवयानी, योगी बाबू भी अहम भूमिका में हैं।

ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद वेस्टइंडीज के कप्तान का फूटा गुस्सा

नईदिल्ली, तीन मैच की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में वेस्टइंडीज को केंसिंग्टन ओवल, ब्रिजटाउन, बारबाडोस में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 159 रनों से हार का सामना करना पड़ा. पहली पारी में मेहमान टीम ऑस्ट्रेलिया को 180 के स्कोर पर ऑल आउट करने के बाद भी मेजबान टीम मैच जीतने से चूक गई.

हार के बाद वेस्टइंडीज के कप्तान रोस्टन चेस का गुस्सा अंपायरों पर निकला और अंपायरिंग की आलोचना करते हुए गलत फैसले देने पर अंपायरों को भी सजा देने की मांग कर दी, क्योंकि क्योंकि एक गलत फैसला खिलाड़ी के करियर को बना या बिगाड़ सकता है. चेस ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैच अधिकारियों को कभी कुछ नहीं होता. वे बस गलत या संदिग्ध निर्णय लेते हैं, और जीवन चलता रहता है. जबकि आप लोगों के करियर के बारे में बात कर रहे हैं. एक गलत निर्णय किसी व्यक्ति के करियर को बना या बिगाड़ सकता है. मुझे लगता है कि जब खिलाड़ी लाइन से बाहर निकलते हैं, तो उन्हें दंडित किया जाना चाहिए. मुझे लगता है कि जब खिलाड़ियों के खिलाफ कोई गलत निर्णय होता है, तो फिर अंपायरों पर भी कुछ जुर्माना लगाया जाना चाहिए. बता दें इस टेस्ट मैच के तीन निर्णय चर्चा का विषय बन गए हैं. पहले दिन ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रेविस हेड को टीवी अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक ने 53 रन पर नॉट आउट करार दिया, क्योंकि स्टंप के पीछे शाई होप द्वारा स्पष्ट कैच के सबूतों की कमी का हवाला दिया गया. उसके बाद वेस्टइंडीज की पहली पारी के दौरान दो विवादास्पद आउट दिए गए, जिसमें चेस को एलबीडब्ल्यू दिया गया जबकि कैमरे ने रीप्ले में पैड पर बैट का अंदरूनी किनारा लगने के बाद दिखाया था और फिर शाई होप को स्पष्ट कैच न होने पर कैच आउट करार दिया गया. चेस ने आगे कहा कि उनकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 180 रन पर आउट करके अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन फिर विवादास्पद अंपायरिंग कॉल ने उन्हें कमजोर कर दिया. यह खेल मेरे और टीम के लिए निराशाजनक है क्योंकि हमने ऑस्ट्रेलिया को अपेक्षाकृत कम स्कोर पर आउट कर दिया. हम इससे बहुत खुश थे, लेकिन फिर खेल में बहुत सारे संदिग्ध फैसले हुए और उनमें से कोई भी हमारे पक्ष में नहीं गया. वेस्टइंडीज के हेड कोच डैरेन सैमी ने दूसरे दिन मैच रेफरी जवागल श्रीनाथ से मुलाकात कर विवादास्पद फैसलों पर अपनी चिंता व्यक्त की. सीरीज का दूसरा मैच 3 जुलाई से ग्रेनेडा में खेला जाएगा.

नाक में नथ, हाथ में खंजर, आंखों में आक्रोश, मैसा से रश्मिका का फर्स्ट लुक आउट

सलमान खान के साथ सिकंदर की फ्लॉप के बाद रश्मिका मंदाना अपनी हालिया रिलीज फिल्म कुबेरा की सक्सेस को एन्जॉय कर रही हैं. इस बीच एक्ट्रेस ने रश्मिका मंदाना ने अपने फैंस को को बड़ा तोहफा दिया है. साउथ सिनेमा की श्रीवल्ली ने अपनी नई फिल्म से अपना खौफनाक पोस्टर जारी किया है. एक्ट्रेस ने बीती 26 जून को ही अपने फैंस को जानकारी दी थी कि 27 जून को फिल्म मैसा की झलक देखने को मिलेगी. एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने खौफनाक लुक की पहली तस्वीर जारी की है. रश्मिका की यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी. इस फिल्म का निर्देशन रविंद्र पुले ने किया है, जिन्होंने साल 2021 में फिल्म अर्धा शताब्धम बनाई थी.

स्मृति मंधाना ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में रचा इतिहास

नॉटिंघम, इंग्लैंड महिला क्रिक्रेट टीम के खिलाफ शनिवार को पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारतीय महिला क्रिक्रेट टीम की कप्तानी कर रही विस्फोटक सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और अपना पहला टी20 शतक जड़ दिया. भारत की नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर को ईसीबी सिलेक्ट इलेवन के खिलाफ टी20 अभ्यास मैच के दौरान सिर में चोट लगने के बाद एहतियात के तौर पर खेल से आराम दिया गया था. मेडिकल टीम उनकी बारीकी से निगरानी कर रही है और उनकी हालत में सुधार हो रहा है. हालांकि, बाएं हाथ की बल्लेबाज स्मृति ने सुनिश्चित किया कि हरमनप्रीत की कमी महसूस न हो और उन्होंने अपनी टीम के बल्लेबाजी करने के बाद शुरू से ही विपक्षी गेंदबाजों का जोरदार तरीके से सामना किया. उन्होंने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक ठोक दिया. महाराष्ट्र के सांगली की रहने वाली स्मृति टीम की शीर्ष स्कोरर रही.

जैवलिन किंग बना भारत का शेर, टॉप–3 से बाहर हुए अरशद नदीम

नईदिल्ली, विश्व एथलेटिक्स द्वारा जैवलिन थ्रो की नई रैंकिंग जारी की है. जिसमें टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने एक बार से शीर्ष स्थान पर कब्जा कर लिया हैं. नीरज ने पिछले साल 17 सितंबर को ग्रेनेडा को एंडरसन पीटर्स से शीर्ष स्थान खो दिया था. लेकिन जब उन्होंने ब्रुसेल्स में डायमंड लीग 2025 के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करके जीत हासिल की तो वो फिर से शीर्ष स्थान पर पहुंच गए है.नई रैंकिंग में नीरज चोपड़ा का 1445 अंक हैं, जबकि एंडरसन पीटर्स 1431 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं. वहीं जर्मन एथलीट जूलियन वेबर के 1407 अंक हैं और वो तीसरे नंबर पर हैं, जबकि पाकिस्तान के अरशद नदीम 1370 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं. नंबर वन बनने के बाद गत चैंपियन नीरज का अगला लक्ष्य विश्व चैंपियनशिप में भी भारत का झंडा गाड़ना होगा, जो इस साल सितंबर में टोक्यो में होने वाली है.

एक नजर

जयंती पर महालनोबिस को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः प्रसिद्ध संख्याविज्ञानी एवं महान अर्थशास्त्री प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की 131वीं जयंती पर रविवार को जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी कार्यालय में 19वां राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया गया। रविवार को आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर महालनोबिस की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर व दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। इस अवसर पर अपर सांख्यिकीय अधिकारी शालिनी राठौर, प्रधान सहायक मंगल मोहन थपलियाल आदि शामिल रहे।

भिलंगना में जवानों को दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

नई टिहरी। आपदा काल को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग ने भिलंगना ब्लाक के सभागार में ग्राम प्रहरियों, पीआरडी जवानों एवं आपदा मित्रों को प्रशिक्षण देकर जागरूक किया। आपदा से निपटने के विभिन्न विधाओं की जानकारी देते हुए बताया कि आपदा के दौरान संयम से काम लें और पूरी तरह से सुरक्षित होकर रेस्क्यू अभियान चलायें। डीएम नितिका खंडेलवाल के निर्देशन में आयोजित आपदा जागरूकता शिविर में प्रशिक्षण के दौरान लगभग 112 प्रतिभागियों ने शिविर में प्रतिभाग कर अहम जानकारियां हासिल की। ट्रेनरों ने सभी प्रतिभागीयों को प्राथमिक उपचार, सीपीआर, आपदाओं के लिए इंप्रोवाइज स्टेचर बनाने, आपातकालीन नंबरों की जानकारी, खोज बचाव में प्रयोग होने वाले बेसिक उपकरणों की जानकारी के साथ ही आपदा प्रबंधन विभाग की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। प्रशिक्षण के बाद तहसील घनसाली के कार्मिकों को भी तहसील में स्थित स्टोर में रखे सभी उपकरणों के रख–रखाव की जानकारी दी गई और उपकरणों की क्रियाशीता को मास्टर ट्रेनर अनिल सकलानी ने चेक किया। प्रक्षिक्षण मास्टर ट्रेनर अनिल सकलानी सहित घनसाली तहसील मे तैनात एसडीआरएफ टीम ने प्रदान किया। इस मौके पर नायब तहसीलदार महेशा शाह भी मौजूद रहे।

जज त्रिपाठी ने बाल संरक्षण के बारे में दी जानकारी

नई टिहरी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव और सिविल जज आलोक राम त्रिपाठी ने किशोर न्याय बोर्ड, बाल कल्याण समिति व बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को नालसा से संबंधित बाल संरक्षण, बाल कल्याण योजनाओं, बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं ,संरक्षण के लिए 2015 लीगल सर्विस यूनिट फॉर चिल्ड्रन योजना, 2024 व 2025 साथी योजना की जानकारी दी। सचिव त्रिपाठी ने अधिकारियों के साथ किशोर न्याय अधिनियम के बारे में भी चर्चा की। किशोर न्याय बोर्ड के अध्यक्ष सिविल जज सीनियर डिवीजन मोहम्मद याकूब ने बाल हित व बाल संरक्षण हित में सभी संस्थाओं को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने को कहा। इस मौके पर प्रोबेशन अधिकारी संजय गौरव, किशोर न्याय बोर्ड सदस्य अमिता रावत, बालकृष्ण भट्ट, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष ऋषि कुमार, सदस्य राजेंद्र गुसाईं, सोबन सिंह नेगी, श्रम अधिकारी आईना, सुखदेव बहुगुणा, संतोष सिंह, अंकिता, विनीता उनियाल, रश्मि बिष्ट, महेश उनियाल, देवेंद्र बिष्ट, दीपक गौड़, ओम प्रकाश, नरेंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

भिलंगना ब्लाक के ग्रामीण जंगली जानवरों के आतंक से परेशान

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक के गांवों में जंगली जानवरों बंदर, सुअर, लंगूर, भालू और गुलदार का आतंक बना हुआ है। जंगली जानवरों से जहां जानमाल के खतरे का भय बना रहता है, वहीं ये फसलों को भी चौपट कर रहे हैं। ग्रामीणों ने वन और कृषि विभाग सहित शासन–प्रशासन से समस्या का हल करने की मांग की है। भिलंगना ब्लॉक की ग्यारह गांव, हिंदाव, नैलचामी, भिलंग, केमर, बासर, आरगढ़, गोनगढ़, थाती–बूढाकेदार, कोटी फैगुल सहित जाखणीधार की ढुंगमंदार पट्टी में बंदरों, लंगूर, सुअर, भालू, और गुलदार का लगातार भय बना हुआ है। यह जानवर काश्तकारों फसलों सहित साग–सब्जियों को चौपट कर रहे हैं।

पूर्व बीडीसी सदस्य लक्ष्मी प्रसाद जोशी, भजन सिंह भंडारी, डॉ. नरेंद्र डंगवाल, हिम्मत रौतेला, दिनेश लाल, नरेश बसलियाल, दिनेश भजनियाल, जयवीर मियां, कृष्णा गैरोला, सोहन सिंह बिष्ट, वीर सिंह पंवार, भारती रावत, रघुवीर सिंह, नीलम बिष्ट, भरत गुसाईं, यशवंत गुसाईं आदि लोगो ने कहा कि जंगली जानवर ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। इससे बचने के लिए सरकार के पास कोई रोडमैप नहीं है। कहा कि एक ओर सरकार खेती किसानी की बात कर रही है,

भारी पड़ी बारिश, राष्ट्रीय राजमार्ग हुआ बंद

नजीबाबाद के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग में पुलिया की एप्रोच ढहने के बाद ह्यूम पाइप डालकर वैकल्पिक मार्ग तैयार करती जेसीबी

कोटद्वार- नजीबाबाद के मध्य राष्ट्रीय राजमार्ग बंद होने से लगा जाम

कोटद्वार सतपुली के मध्य राष्ट्रीय बंद हुआ राष्ट्रीय राजमार्ग

गुमखाल-सतपुली के मध्य कुल्हाड़ बैंड के समीप आया भारी मलबा कोटद्वार-नजीबाबाद के मध्य जाफरा के समीप हाईवे की टूटी पुलिया

कोटद्वारःरविवार को क्षेत्र में हुई बारिश ने आफत खड़ी कर दी। गुमखाल-सतपुली के मध्य कुल्हाड़ बैंड पर पहाड़ी से भारी मलबा आ गया। वहीं, नजीबाबाद-कोटद्वार के मध्य जाफरा के समीप पुलिया भी ढह गई। जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर वाहनों का लंबा जाम लगा हुआ था। कई दोपहिया वाहन चालक जंगल से होते हुए निकल रहे थे। कोटद्वार में भी नदियों का जलस्तर बढ़ गया था। जिससे कई स्थानों पर भू-कटाव की समस्या देखने को मिली।

सुबह साढ़े तीन बजे से बारिश का दौर शुरु हो गया था। लगातार हो रही बारिश से सुबह चार बजे अचानक गुमखाल-सतपुली के मध्य कुल्हाड़ बैंड पर भारी मलबा आ गया। इसके कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों का लंबा जाम लगा हुआ था। राष्ट्रीय राष्ट्रीय चौड़ीकरण करवा रही कंपनियों की जेसीबी व पोकलेंड मशीनों ने मलबे को हटाने का कार्य शुरु किया। दोपहर करीब डेढ़ बजे मलब पूरी तरह हटने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन शुरु हुई। वहीं, कोटद्वार-जीबाबाद के मध्य जाफरा के समीप एक नाले के ऊपर बनी पुल की एप्रोच ढह गई।

गनीमत यह रही कि उस समय कोई भी वाहन पुलिया के ऊपर से नहीं गुजर रहा था। जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। एप्रोच टूटने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लगी हुई थी। एनएच विभाग की जेसबी मशीन ने नाले में ह्यूम पाइप डालकर आवागमन की व्यवस्था बनाई। इस दौरान करीब तीन घंटे तक कोटद्वार-नजीबाबाद के मध्य यातायात पूरी तरह ठप रहा। ऐसे में यात्रियों को समस्याओं का सामना करना पड़ा। उधर, गब्बर सिंह कैंड के समीप कौड़िया में पनियाली गदेरे पर बनाई गई वैकल्पिक पुलिया ढह गई। ऐसे में आर्मी कैंप में जाने के साथ ही काशीरामपुर मल्ला के लिए आवागमन करना भी एक चुनौती बन गई है।

संपर्क मार्ग भी हुए बंद

नजीबाबाद बुआखाल राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ ही क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों को जोड़ने वाली सड़कें भी बारिश के दौरान बंद हो गई। सतपुली-दुधारखाल मार्ग पर भी मलबे के कारण यातायात पूरी तरह बंद हो गया। रिखणीखाल से किलबोखाल को जोड़ने वाले मार्ग पर भी कई स्थानों पर पहाड़ी से मलबा आ गया। हालांकि, लोकनिर्माण विभाग व एनएच विभाग की जेसीबी मशीन लगातार मार्ग को खोलने के कार्य में जुटी हुई थी। कई सड़कें खुल गई थी।

राहु मंदिर में होगा राहु इंद्रेश्वर महोत्सव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः भारत के एकमात्र राहु मंदिर पैठाणी में प्रतिवर्ष तीन दिवसीय राहु इंद्रश्वर महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। क्षेत्र के समाजसेवी एवं देव भूमि लोक संस्कृति समिति के अध्यक्ष डॉ शिवचरण नौडियाल ने यह जानकारी दी।

इस आशय में उन्होंने उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक डॉक्टर धन सिंह रावत को प्रेषित किया।

तीन दिवसीय राहु इंद्रेश्वर महोत्सव में प्रथम दिवस पर देश-विदेश के नामचीन हस्तियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिसने कला, साहित्य, सिनेमा, विज्ञान,अध्यात्म एवं संस्कृति के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की हो।

द्वितीय दिवस पर गंगा आरती,भजन संध्या,गीत संगीत ,मंडाण व स्थानीय प्रतिभाओं की

डा.धन सिंह रावत को ज्ञापन देते डा.शिव चरण नौटियाल

प्रतिभा के कार्यक्रमों का आयोजन जबकि तृतीय दिवस पर सभी शासकीय स्टॉल/ प्रदर्शनी लगाकर विकास योजनाओं व उसके लाभ जनता के समग्र पक्ष में आयोजित होंगे।

डॉ शिवचरण नौडियाल ने कहा कि यह महोत्सव समस्त क्षेत्र वासियों के लिए ऐतिहासिक होगा जिसमें स्थानीय प्रतिभाओं को मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा व क्षेत्र के अंतिम छोर तक के गांवों को सरकार की विभिन्न योजनाओं से जुड़ी जानकारियों के साथ साथ लाभ भी मिलेगा इस तीन दिवसीय महोत्सव के पीछे मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय फलक पर भगवान राहु इंद्रेश्वर महादेव मंदिर में तीर्थाटन,पर्यटन को बढ़ाना देना और भारत की एकता,सांस्कृतिक विरासत को एक सूत्र में जोड़कर सनातन परंपरा का निर्वहन करना भी है।

इस दौरान क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता सुखदेव चौधरी भी उपस्थित रहे।

देयकों का भुगतान करने की उठाई मांग

कोटद्वारः जिला सहकारी समितियों से जुड़े सेवानिवृत्त सचिवों ने देयकों के भुगतान की मांग की है। कहा कि शिकायत के बाद भी समस्या को लेकर लापरवाही दिखाई जा रही है। रविवार को जिला सहकारी समितियों से जुड़े सेवानिवृत्त सचिवों की बैठक डीसीडीएफ सभागार में आयोजित की गई। वक्तओं ने कहा कि विगत पंद्रह वषो से उनका अवकाश नकदीकरण, ग्रेड पे, एरियर व सातवें वेतनमान का भुगतान नहीं हुआ है। बैठक में देयकों के भुगतान को लेकर सहकारिता सचिव व सहकारिता मंत्री से मुलाकात करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में सेवानिवृत्त सचिव सुबोध देवरानी ने कहा कि विगत सेवानिवृत्त सचिवों का अवकाश नकदीकरण, ग्रेड पे, एरियर व सातवें वेतनमान का एरियर सहित भुगतान को लेकर वे विगत पंद्रह वषो से लगातार मांग उठाई जा रही है, लेकिन विभाग हमेशा ही कैडर फंड में धन की कमी का रोना रो रहा है, जिससे सेवानिवृत्त सचिवों में आक्रोश पनप रहा है। कहा कि देयकों के भुगतान को लेकर एक प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही सहकारिता सचिव व सहकारिता मंत्री से मुलाकात करेगा। इस मौके पर बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त सचिव मौजूद रहे।

मोर्चा ने उठाई पुरानी पेंशन बहाली की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः राष्ट्रीय पुरानी पेंशन संयुक्त मोर्चा उत्तराखंड के प्रतिनिधि मंडल ने शनिवार को डीएम से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में राजकीय शिक्षक संघ चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ, उत्तरांचल मिनिस्टीरियल फेडरेशन सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने डीएम स्वाति भदौरिया को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली के संबंध में विस्तार से जानकारी दी और कर्मचारियों की भावनाओं से भी अवगत कराया। पदाधिकारियों ने बताया कि 2005 के बाद नियुक्त राज्य और केंद्र सरकार के कर्मचारियों को नई पेंशन योजना (एनपीएस) में रखा गया है, जो पूरी तरह से बाजार आधारित और जोखिमपूर्ण है। इसमें रिटायरमेंट के बाद कर्मचारियों को आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि सभी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ ही दिया जाए। प्रदेश महामंत्री सीताराम पोखरियाल ने बताया कि देश के कई प्रदेशों राजस्थान, हिमाचल, छत्तीसगढ़ आदि ने पहले ही अपने कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना की सुविधा बहाल की है। उत्तराखंड सरकार से भी यही अपेक्षा है। डीएम ने इस विषय को उच्च स्तर तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। कहा कि कर्मचारी हितों से जुड़े विषयों को शासन के सम्मुख संवेदनशीलता के साथ रखा जाएगा। शिष्टाचार भेंट के दौरान आने वाले समय में जागरूकता रैली, ज्ञापन और जन संवाद अभियान की योजना पर भी चर्चा हुई। प्रतिनिधि मंडल में ब्लाक अध्यक्ष राजकीय शिक्षक संघ संग्राम सिंह नेगी, एजूकेशनल मिनिस्ट्रीयल संघ के पूर्व अध्यक्ष मंगल सिंह, मनोज बिष्ट, राजपाल बिष्ट आदि शामिल रहे।

एक सप्ताह में कांवड़ की सभी तैयारियां करें पूरी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः नीलकंठ कांवड़ यात्रा को लेकर तैयारियां शुरूहो गई है। पौड़ी डीएम ने कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। डीएम स्वाति भदौरिया ने कहा कि यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं लिहाज इस दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए 5 जुलाई तक सभी कामों को पूरा कर लिया जाए। डीएम ने लोनिवि व जिला पंचायत को कांवड़ यात्रियों के लिए पैदल मार्गों की मरम्मत, वैकल्पिक रास्तों की पहचान और मुख्य सड़कों पर समय से पैचवर्क कराने के निर्देश दिए । यात्रा मार्गों पर सफाई अभियान चलाने, सभी शौचालयों की नियमित सफाई, पेयजल की उपलब्धता, पानी के टैंकर, अस्थायी नल कनेक्शन के साथ ही डीएम ने खराब हैंडपंपों को भी ठीक करने को कहा। यूपीसीएल को मेला क्षेत्र में वोल्टेज की समस्या को ठीक करने के निर्देश दिए गए। यात्रा मार्ग पर एम्बुलेंस, आवश्यक दवाएं, चिकित्सकीय उपकरण व स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती समय पर कर दी जाए। एसडीआरएफ, पीआरडी, होमगार्ड, सैटेलाइट फोन, लाउडस्पीकर, नेटवर्क और बैरिकेडिंग से जुड़े सभी कामों को लेकर पहले से योजना बनाते हुए कदम उठाने के लिए कहा। डीएम ने रात्रिकालीन यात्रा को ध्यान में रखते हुए जिला पंचायत, उरेडा व वन विभाग को स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। पुलिस को घाटों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सुरक्षाकर्मियों, जल पुलिस की तैनाती और जिला पंचायत को कूड़ा निस्तारण की व्यवस्था को सुचारुबनाए रखने के निर्देश दिए। डीएम ने मंदिर मार्गों में लगने वाले भंडारों की स्वच्छता सुनिश्चित करते हुए कहा कि यदि इनमें मानकों का पालन नहीं होता तो इन्हें निरस्त किया जाए।

पहाड़ों में हो रही बारिश कोटद्वार में हो कार्यशाला

कोटद्वारः राजकीय शिक्षक संघ ने त्रिस्तरीय चुनाव को लेकर होने वाली कार्यशाला पहाड़ के बजाय कोटद्वार में करवाने की मांग की है। कहा कि वर्षाकाल में पहाड़ की सड़कें बंद हो जाती हैं। जिससे आवागमन में परेशानी होती है। ऐसे में प्रशिक्षण शिविर कोटद्वार में होना चाहिए। बैठक में त्रिस्तरीय चुनाव के लिए दुगड्डा, यमकेश्वर, द्वारीखाल, जयहरीखाल, रिखणीखाल, नैनीडांडा, बीरोखाल के कर्मचारियों के लिए कोटद्वार में ही प्रशिक्षण की व्यवस्था किए जाने की मांग की है। शाखा अधक्ष दीपक नेगी ने कहा कि प्रदेश में जुलाई माह में चुनाव होने है। चुनाव को निर्विघ्न संपन्न करवाने के लिए कर्मचारियों को पौड़ी स्थित प्रेक्षागृह में प्रशिक्षण दिया जाता है, लेकिन वर्तमान में वर्षाकाल के चलते रास्ते बंद हो रहे है, एसे में कर्मचारियों को जानमाल का खतरा भी बना हुआ है। वर्षाकाल में सड़के टूटने से कर्मचारियों को पौड़ी मुख्यालय पहुंचना कठिन है। कहा कि जनपद मुख्यालय के नजदीकी क्षेत्र के ब्लाकों के कर्मचारियों का प्रशिक्षण पौड़ी में करवाया जाए, जबकि दुगड्डा, यमकेश्वर, द्वारीखाल, रिखणीखाल, जयहरीखाल, बीरोखाल, नैनीडांडा के कर्मचारियों का प्रशिक्षण की व्यवस्था कोटद्वार स्थित प्रेक्षागृह में करवाई जाए। बैठक में विनय रावत, असलम असारी, प्रभाकर बमराडा, प्रशांत, मधुसूदन, भाष्कर राज भारद्वाज मौजूद रहे।

सगंठन की मजबूती के लिए उक्रांद चलाएगा सदस्यता अभियान

कोटद्वारः संगठन की मजबूती के लिए उत्तराखंड क्रांति दल के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया है। कहा कि संगठन से अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

रविवार कोदल के संरक्षक डा. शक्तिशैल कपरवाण की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि राज्य को बने हुए 25 वर्ष हो गए है, लेकिन अभी तक प्रदेश का समग्र विकास नहीं हो पाया है, खासकर प्रदेश के लोगों के अधिकारों को भी छीनने का प्रयास किया गया। कहा कि प्रदेश के विकास के लिए जो योजनाएं बननी चाहिए थी, उन योजनाओं पर कोई कार्य नहीं हो पाया। कहा कि प्रदेश में राष्ट्रीय दलों की सरकारों ने भूकानून, मूल निवास को समाप्त कर दिया है, उल्टा समान नागरिकता कानून लागू कर समाज में वैमनस्य फैलाने का काम कर दिया।

पदमपुर स्थित कार्यालय में आयोजित बैठक को संबोधित करते उक्रांद के पदाधिकारी

जिसका उत्तराखंड क्रांति दल घोर विरोध करता रहेगा। कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल ही प्रदेश की जनभावनाओं को समझ सकता है, जिसके लिए उत्तराखंड क्रांति दल का सत्ता में आना जरूरी है, ताकि राष्ट्रीय दल प्रदेश की मूल अधिकारों से कोई समझौता न कर पाए। कहा कि आने वाले समय में घर–घर जाकर सदस्यता अभियान चलाया जाएगा, लोगों को पार्टी से जोड़ते हुए संगठन को मजबूत किया जाएगा। इस मौके पर महेंद्र सिंह रावत, पितृशरण जोशी, गुलाब सिंह रावत, हयात सिंह, भगवती प्रसाद कंडवाल, विनोद सिंह, पुष्कर सिंह, दिनेश सती, माया देवी, सरस्वती देवी मौजूद रहे।

खराब हुआ ट्रांसफार्मर, अंधेरे में कट रही रातें

कोटद्वारः प्रखंड एकेश्वर के अंतर्गत ग्राम सभा नावा में स्थित विद्युत ट्रांसफार्मर अचानक फुंक गया है, जिससे पूरे क्षेत्र में अंधेरा छा रखा है। जिससे ग्रामीणों को अंधेरे में रहने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। वर्तमान में क्षेत्र में स्थित विद्युत ट्रासफार्मर के माध्यम से ही नावा, कठुली, थापलू सहित विभिन्न गांवों को बिजली सप्लाई होती है। लेकिन विगत तीन पहले विद्युल ट्रांसफार्मर अचानक फुंक गया है, जिससे पूरे क्षेत्र में अंधेरा छाया हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि इन दिनों क्षेत्र में गुलदार भी दिखाई दे रहा है। रात के अंधेरे में गुलदार गांव के आसपास आकर घात लगाए बैठे रहता है, एसे में गुलदार अंधेरे का फायदा उठाकर किसी भी ग्रामीण पर हमला कर सकता है। ग्राम सभा नावा के ग्रामीण मेहरबान सिंह व कठुली के हरेंद्र सिंह रावत ने कहा कि ट्रांसफार्मर फुंकने की सूचना सतपुली स्थित विद्युत विभाग के अधिकारियों से ट्रांसफार्मर बदलने की मांग की है। लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई कार्यवाही नहीं हुई है। उन्होंने शीघ्र ही ट्रांसफार्मर बदलने की मांग की है।

विद्युत विभाग के अवर अभियंता कालूराम ने बताया कि क्षेत्र में लाइनमैन को भेजकर ट्रांसफार्मर की स्थिति देखी जाएगी। यदि ट्रांसफार्मर में थोड़ी बहुत खराबी हो तो उसे वहीं पर ठीक करवा दिया जाएगा। ज्यादा खराब होने पर उसे शीघ्र बदल दिया जाएगा।

जनपद की 30 ब्रांच सड़कों पर आया मलबा, अधिकांश बंद

रुद्रप्रयाग। शनिवार रात से हो रही बारिश के चलते रुद्रप्रयाग जिले की करीब 30 सड़कें बंद हो गई। हालांकि लोनिवि और पीएमजीएसवाई की टीमों द्वारा बंद सड़कों को खोलने का काम किया जा रहा है। रविवार देर सांय तक कई सड़कों को खोल दिया गयाा था, जबकि अधिकांश सड़कें अभी भी बंद है। सड़क बंद होने से ग्रामीणों को परेशानियों का समाना करना पड़ रहा है। आपदा कंट्रोल रूम के अनुसार, बारिश के बाद हाईवे के साथ ही ग्रामीण सम्पर्क वाली सड़कें भी मलबा–पत्थर आने, पुश्ता क्षतिग्रस्त होने से बाधित रही।

वनों से 7 हजार कुंतल पिरूल का किया गया संग्रहण

नई टिहरी। रेंज के वनाधिकारी आशीष डिमरी ने बताया कि लगातार बारिश के कारण वनों में भले इस बार वनाग्नि की घटनायें नई टिहरी(आरएनएस)। डिवीजन में न के बराबर रही है। लेकिन इसके बाद भी वन महकमे के आलाधिकारियों व शासन के निर्देशानुसार वनों में आग के बड़े कारण पिरुल के निस्तारण के लिए लगातार कार्यवाही जारी रखी गई है। जिसके तहत नई नई टिहरी(आरएनएस)। रेंज के तहत स्थापित पिरुल संग्रहण केंद्र में अब तक इस बार 7 हजार कुंतल का पिरुल एकत्र किया गया है। पिरुल एकत्रीकरण का कार्य सफलतापूर्वक स्वयं सहायता समूहों की मदद से किया गया है। स्वयं सहायता समूहों को पिरुल का प्रतिकिलो 10 रुपये वन विभाग की ओर से भुगतान किया जा रहा है। अब तक 60 कुंतल पिरुल रिंगालगढ़ में ब्रीकेट बनाने की मशीन को उपलब्ध करवाया दिया गया है। जिससे पिरुल का व्यवसायिक उपयोग भी पायेगा। पिरुल से बने ब्रीकेट का कोयले के रूप में प्रयोग किया जायेगा। जिससे वनों पर आम लोगों की निर्भरता भी कम होगी और वनों को पर्यापत संरक्षण भी होगा। डीएफओ पुनीत तोमर का कहना है कि डिवीजन के तहत पिरुल निस्तारण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। जितना अधिक पिरुल का निस्तारण होगा।

जिला अस्पताल में सीसीयू ब्लॉक बनाने का रास्ता हुआ साफ

नई टिहरी। केंद्र सरकार के सहयोग से करीब 50 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सीसीयू (क्रिटिकल केयर यूनिट) ब्लॉक की स्थापना का रास्ता साफ हो गया है। जिला अस्पताल बौराड़ी की पार्किंग और आई हॉस्पिटल को मिलकर सीसीयू ब्लॉक बनाया जाएगा। इस अस्पताल के बनने से आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं में नई टिहरी(आरएनएस)। के लोगों को लाभ मिलेगा। केंद्र सरकार प्रत्येक जनपद में सीसीयू ब्लाक बना रही है। जिसके तहत प्रथम चरण में नई टिहरी(आरएनएस)। जिले का भी चयन हुआ है। करीब 4500 वर्ग मीटर भूमि पर 50 करोड़ की लागत से यह यूनिट बननी है। इसके लिए शर्त यह है कि इसका निर्माण जिला अस्पताल की 200 मीटर की परिधि में होना चाहिए। जिला अस्पताल बौराड़ी में इतनी बड़ी संख्या में भूमि उपलब्ध न होने के कारण समस्या आ रही थी। जिसके बाद विधायक किशोर उपाध्याय ने स्वास्थ्य विभाग,जिला प्रशासन और कार्यदायी संस्था को जिला अस्पताल के पास निर्मित पार्किंग की स्ट्रेंग्थिंग कर इसके ऊपर दो मंजिला भवन निर्माण और अस्पताल के सामने आई हॉस्पिटल ब्लॉक को ध्वस्त कर सीसीयू ब्लाक बनाने का सुझाव दिया। विधायक के निर्देश पर कार्यदायी संस्था पेयजल संसाधन एवं निर्माण निगम के परियोजना प्रबंधक सौरभ शर्मा ने कंसलटेंट एजेंसी को ड्राइंग बनाने को कहा। जिसके बाद इन दोनों स्थानों पर सीसीयू ब्लॉक बनाने की कार्यवाही की जा रही है।

समाज को नशा मुक्त बनाने का लिया संकल्प

नई टिहरी। नशा उन्मूलन को लेकर ग्रामीण क्षेत्र विकास समिति रानीचौरी के जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में गोष्ठी आयोजित की। जिसमें बढ़ती नशाखोरी की समस्या के प्रति जागरूकता लाने और समाज को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से संस्था के अध्यक्ष सुशील बहुगुणा के द्वारा शराब नही संस्कार मुहिम चलाई जा रही है, जिसके तहत स्कूलों कॉलेज में बच्चों से नशा मुक्ति हेतु शपथ ली जाती है। इसके तहत जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, जिला बाल कल्याण समिति, जिला किशोर न्याय बोर्ड के सदस्यों, बिशिष्ट दतक ग्रहण अभिकरण के कर्मचारियों के द्वारा नशा न करने शपथ ली। उपस्थित कर्मचारियों ने यह संकल्प लिया कि वे स्वयं कभी नशा नही करेंगे, न ही किसी को नशा करने के लिए प्रेरित करेंगे। समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इस मौके पर दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के जिला समन्वयक जगदीश बडोनी, रंजीता थपलियाल, जीवानंद जोशी, विजय डोभाल, रविश चमोली, अमीर जंहा, अरूफी रावत आदि मौजूद रहे।

चारधाम दर्शन को आए 205 यात्रियों को हरिद्वार में रोका

हरिद्वार। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश ने पहाड़ से लेकर मैदान तक जनजीवन को प्रभावित किया है। एहतियात के लिए चारधाम दर्शन को आए करीब 205 यात्रियों को हरिद्वार में ही रोक दिया गया है। प्रशासन ने इन यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा का ध्यान रखते हुए उन्हें हरिद्वार की विभिन्न धर्मशालाओं और होटलों में ठहराने की व्यवस्था की है। जिला प्रशासन की निगरानी में सभी यात्रियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। हालात सामान्य होने पर सभी को चारधाम के लिए रवाना किया जाएगा। हरिद्वार के जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल ने बताया कि शासन के निर्देशों के अनुसार यात्रा को 24 घंटे के लिए

स्थगित किया गया है।

हरिद्वार पहुंचे सभी यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोका गया है। शासन से निर्देश प्राप्त होते ही रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए जाएंगे और सभी यात्रियों को सकुशल चारधाम के लिए रवाना किया जाएगा।

नहीं हो पाया यात्रियों का पंजीकरण : चारधाम यात्रा पर अस्थायी रोक के चलते रविवार को हरिद्वार स्थित ऋषिकुल मैदान में बने पर्यटन विभाग के रजिस्ट्रेशन सेंटर पर यात्रियों का पंजीकरण नहीं हो सका। कई यात्री सुबह से ही पंजीकरण कराने के लिए पहुंचे थे, लेकिन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया बंद होने के कारण उन्हें मायूसी का सामना करना पड़ा। पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने यात्रियों को सूचित किया कि जैसे ही मौसम सामान्य होगा और शासन से हरी झंडी मिलेगी तो पुनः पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इसके बाद अधिकारियों द्वारा सभी यात्रियों से हरिद्वार में रुकने की अपील की गई।

प्रशासन अलर्ट मोड पर : मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए उत्तराखंड के कई जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। इसे देखते हुए हरिद्वार में राज्य आपदा प्रबंधन विभाग और जिला प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

श्रीनगर के विभिन्न वार्डों में जलभराव से लोग परेशान

श्रीनगर गढ़वाल। रविवार सुबह से हो रही तेज बारिश ने नगर निगम श्रीनगर के ड्रेनेज सिस्टम की पोल खोल दी है। बारिश के कारण तमाम वार्डों में नालियां चौक होने से गंदा पानी सड़कों पर बहता दिखा। इससे स्थानीय लोगों के अलावा राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। नगर निगम श्रीनगर के प्रगति विहार, कान्वेंट स्कूल, चिल्ड्रन एकेडमी, शनि मंदिर, अलकेश्वर घाट, भक्तियाना, पराग डेरी सहित अन्य स्थानों पर जलभराव की समस्या देखने को मिली। पार्षद पूजा किमोठी ने कहा कि पानी की सही निकासी न होने और नालियां सही न बनने के कारण बरसात में सारा पानी सड़कों पर बह रहा है,जबकि कई जगहों पर बरसात का पानी लोगों के घरों तक पहुंच रहा है। कहा कि इस संदर्भ में निगम प्रशासन और लोनिवि एनएच विभाग से शिकायत की जा चुकी है, बावजूद भी कोई कार्यवाही अमल में नहीं लाई गई। उन्होंने जल्द से नालियों की निकासी की समस्या का जल्द समाधान करने की मांग की। भक्तियाना निवासी अरूण नेगी ने कहा कि नालियों की सही निकासी व समय-समय पर नालियों की सफाई न होने से बरसात के दौरान नालियों का पानी घरों और दुकानों में घुस रहा है,जिससे राहगीरों के साथ ही स्थानीय लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने निगम प्रशासन से जल्द नालियों की निकासी और समय-समय पर नालियों की सफाई करवाने की मांग की है।

श्रीनगर में स्लाटर हाउस संचालन पर मांस विक्रेताओं का विरोध

श्रीनगर गढ़वाल। नगर निगम श्रीनगर द्वारा संचालित स्लाटर हाउस (पशु वधशाला) के संचालन को लेकर मांस विक्रेताओं ने निगम प्रशासन पर नियमों के उल्लंघन, अव्यवस्था तथा मांस विक्रेताओं से मनमानी शुल्क वसूली के आरोप लगाए हैं। विक्रेताओं ने कहा कि नगर क्षेत्र के बीचोंबीच स्लाटर हाउस का संचालन किया जा रहा है, जिससे संक्रमण और बीमारियों का खतरा बना हुआ है। मोहम्मद शाहिद ने बताया कि स्लाटर हाउस में न तो पशु चिकित्सक की व्यवस्था है और न ही वहां से निकलने वाले अपशिष्ट व गंदे पानी के निस्तारण की कोई ठोस व्यवस्था है। मांस विक्रेताओं ने आरोप लगाया कि गंदा पानी सीधे नदी में गिर रहा है, जो एनजीटी के मानकों का उल्लंघन है।सुरेंद्र पाल ने आरोप लगाया कि पशु वधशाला में बकरा काटने की अनुमति है, लेकिन अब वहां मुर्गे भी काटे जा रहे हैं और मांस विक्रेताओं से प्रति मुर्गा 25 रूपये जबरन वसूले जा रहे हैं। आरोप लगया कि निगम की ओर से हर दुकानदार से पांच हजार मासिक एनओसी शुल्क लिया जा रहा है। विक्रेताओं ने बताया कि मामले में नगर आयुक्त नूपुर वर्मा ने सहायक नगर आयुक्त को निर्देशित किया है।

मानसून में बंद सड़कों को लेकर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

देहरादून। उत्तराखंड में शुरुआती बरसात में ही तमाम सड़कों के बंद होने पर कांग्रेस ने सरकार की तैयारियों पर सवाल उठाया है। पार्टी का कहना है कि आने वाले ढाई महीनों की बरसात में उत्तराखंड की सड़कों का क्या होगा, इसकी कल्पना करना ही भयावह हो रहा है। पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि चारधाम यात्रा मार्गों का हाल बेहाल है। यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारधाम और बदरीनाथ धाम की तरफ जाने वाली सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हैं। आए दिन तीर्थयात्री व स्थानीय लोग सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा रहे है। एक दिन पहले ही बदरीनाथ के पास लामबगड़ में राष्ट्रीय राजमार्ग का बड़ा हिस्सा बह गया है। उन्होंने कहा कि यही हाल उत्तरकाशी रुद्रप्रयाग, टिहरी व पौड़ी जनपद की सड़कों का है।

भुगतान का फर्जी स्क्रीन शॉट दिखाकर कई दुकान संचालकों को लगाया चूना

देहरादून। प्रेमनगर बाजार में शनिवार को चार ठग दुकानदरों से हजारों का माल ले भुगतान का फर्जी का स्क्रीनशॉट दिखाकर गायब हो गए। एक के बाद एक कई दुकानों पर वे गए और सामान पसंद कर खरीदा। जब किसी दुकानदार को भुगतान नहीं मिला तो दुकानदारों उनकी तलाश की। कुछ देर विक्रम स्टैंड पर एक चालक उनके बारे में बात करता दिखा। पता चला कि ये चारों ठग उसके विक्रम में बैठकर ही प्रेमनगर आए थे। उसे भी उन्होंने 40 रुपये का स्क्रीन शॉट दिखाया था। चारों ठग सबसे पहले प्रेमनगर बाजार में ग्रोवर जनरल स्टोर पर पहुंचे थे। यहां से उन्होंने रोजमर्रा की जरुरत का 1700 रुपये का सामान खरीदा।

सीएम धामी ने प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 123वीं संस्करण सुना

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 123वीं संस्करण सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देशवासियों को योग, सामाजिक एकता, सेवा भाव और महिला सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों से प्रेरित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को वैश्विक स्तर पर एक अलग पहचान मिली है। 21 जून को आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ने एक बार फिर यह प्रदर्शित कर दिया कि योग ने न केवल भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में अपनी विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने देश को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा ट्रैकोमा मुक्त घोषित किए जाने और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट में 64 प्रतिशत आबादी को सोशल सुरक्षा के अंतर्गत लाए जाने की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा की दिशा में देश ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। मुख्यमंत्री ने ह्यमन की बातह्न में उजागर की गई सामूहिक सेवा, धार्मिक यात्राओं के दौरान मिलन की भावना और स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्न के आदर्श को साकार करता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे इन संदेशों को अपनी दिनचर्या में अपनाएं और उत्तराखंड को भी आत्मनिर्भर व समृद्ध भारत का एक गौरवशाली हिस्सा बनाएं।

जल्द मिलेगा ब्लॉक के मनरेगा कर्मियों को रूका वेतन

काशीपुर। ब्लॉक के नौ मनेरगा कर्मियों का पांच माह से रूका वेतन जल्द ही मिल जायेगा। सरकार ने वेतन के लिए बजट जारी कर दिया है। बता दें कि ब्लॉक कार्यालय में मनरेगा के कार्यों को पूर्ण करने को अनिल झाम, अशोक कुमार, मो. राशिद, उदयराज, गंभीर सिंह, राजेश, महमूद, मुस्तकीम, पुनीत की तैनाती की गई है।

इन नौ कर्मियों को बीते जनवरी माह से वेतन नहीं मिला। वेतन न मिलने की दशा में इनके घर के खर्चे चलने भारी हो गए। प्रभारी बीडीओ चतर सिंह चौहान ने वेतन के लिए प्रस्ताव बनाकर भेज दिया था। मनरेगा लिपिक मो. राशिद ने बताया कि पांच माह से उन्हें सैलरी नहीं मिली है। अब भारत सरकार ने वेतन का बजट जारी कर दिया है। जल्द ही उन्हें वेतन मिल जाएगा।

एबीआरएसएम की गढ़वाल विवि इकाई के अध्यक्ष बने डा. गौतम

श्रीनगर गढ़वाल। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के भौतिकी विज्ञान विभाग के डा. आलोक सागर गौतम को अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) की गढ़वाल विवि इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। रविवार को हाईब्रिड मोड पर अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की ऑनलाइन बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। विश्वविद्यालय के बिड़ला, पौड़ी और टिहरी परिसर के संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस दौरान सर्वसम्मति से गठित कार्यकारिणी में बिड़ला परिसर भौतिकी विज्ञान विभाग में कार्यरत डा. आलोक सागर गौतम को अध्यक्ष, पौड़ी परिसर के वाणिज्य विभाग में कार्यरत प्रो. अनूप पांडेय को उपाध्यक्ष और बिड़ला परिसर के पत्रकारिता विभाग में कार्यरत डा. साकेत भारद्वाज व टिहरी परिसर के शिक्षा विभाग में कार्यरत डा. हेमराज को संयुक्त महामंत्री नियुक्त किया गया। वहीं बिड़ला परिसर के शिक्षा विभाग में तैनात डा. देवेंद्र सिंह को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तराखंड प्रभारी महेंद्र कुमार तथा महिला विंग की उपाध्यक्ष डा. अलका सूरी मौजूद रहे। कार्यकारिणी में अन्य सदस्य के रूप में डा. सुबोध, डा. विनीत कुमार मौर्या, डा. रोहित कुमार, डा. पिया राय चौधरी, डा. अपर्णा सिंह को मनोनीत किया गया। वहीं, बैठक में महासंघ की भावी कार्ययोजना पर भी विचार किया गया, जिसमें शिक्षकों के वेतन, भत्ते, सेवा शर्तों और पदोन्नति से जुड़े विषयों पर कार्य करने पर विचार किया गया।

गढ़वाल वाक्स अभियान में शामिल प्रतिभागियों ने जाना नागेश्वर मंदिर का महत्व

श्रीनगर गढ़वाल। गढ़वाल वाक्स अभियान के तहत युवाओं को नगर स्थित प्राचीन नागेश्वर मंदिर का सांस्कृतिक भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर अभियान के प्रतिभागियों ने मंदिर की पौराणिक महत्ता, स्थापत्य शैली और आध्यात्मिक गरिमा को नजदीक से जानने-समझने का अवसर प्राप्त किया।गौरतलब है कि गढ़वाल वाक्स अभियान के तहत बीते दो माह से नगर के मंदिरों, मठों और सांस्कृतिक स्थलों को धार्मिक पर्यटन के रूप में विकसित करने को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य युवाओं को अपनी समृद्ध विरासत से जोड़ना, उसे सहेजना तथा संरक्षित करना है। अभियान के समन्वयक प्रिंस गिरि ने बताया कि इस सांस्कृतिक यात्रा की शुरुआत 18 अप्रैल को लक्ष्मी नारायण मंदिर (तिवारी मोहल्ला) से हुई थी। इसके पश्चात कमलेश्वर मंदिर, बैंरागणा मठ, शीतला माता मंदिर और गोरखनाथ गुफा जैसे स्थलों का भी भ्रमण किया गया। अभियान के तहत लक्ष्मी नारायण मंदिर घाट पर प्रतिदिन सायंकाल गंगा आरती का आयोजन भी किया जा रहा है, जिसमें अब बड़ी संख्या में स्थानीय व यात्री भी प्रतिभाग कर रहे हैं। रविवार को नागेश्वर मंदिर में अभियान से जुड़े सदस्यों व प्रतिभागियों ने भ्रमण किया। यहां प्रतिभागियों को मंदिर महंत नितिन पुरी ने मंदिर से जुड़ी जानकारियां साझा की।

बारिश से बढ़ा रामगंगा नदी का जल स्तर

चमोली। चमोली जिले में विगत चौबीस घंटे से बारिश के बाद रामगंगा नदी का जलस्तर रविवार को अचानक बढ़ गया। हालांकि, बारिश रुकने के साथ ही नदी का जलस्तर भी घट गया, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। बता दें कि विगत वर्ष नदी का जलस्तर बढ़ने से मेहलचौंरी का खेल मैदान एवं स्वास्थ्य केंद्र आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया था। बारिश से नगर में नालियां चौक होने के कारण कई घरों में पानी घुसा, जिससे लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। बरसात की वजह से रंडोली गधेरे में गाद एवं मलबा आने के बाद एनएच 109 सुबह दो घंटे के लिए बंद रहा, जिसे जेसीबी की मदद से मलबा हटाकर यातायत के लिए सुचारू किया गया।

वर्षों से मानसून में नासूर बना आईएसबीटी ड्रेनेज का हुआ स्थायी समाधान, जनमानस को मिली राहत

देहरादून। मुख्यमंत्री की प्रेरणा से जिलाधिकारी सविन बंसल के दिशा निर्देशन में देहरादून आईएसबीटी के सेंट जूड चौक एरिया में बनी स्मार्ट सिटी स्ट्रांम वॉटर ड्रेन की वजह से इस बार भारी बारिश के बावजूद भी पूरे एरिया में कोई जल भराव नहीं हो रहा है। वर्षों से यहां पर हल्की बरसात में ही बहुत अधिक पानी भर जाता था।

यहां से गुजरने वाले हर राहगीरों के लिए यहां पर जलभराव नासूर बना रहता था। मानसून में मुसीबत बने आईएसबीटी ड्रेनेज का अब स्थायी समाधान होने पर स्थानीय लोगों ने प्रसन्नता जताई है।मा.सीएम की प्रेरणा से जिला प्रशासन ने निर्माण कार्यों में आने वाली हर अढचन को दूर कराते हुए आईएसबीटी में ड्रेनेज व सीवरेज के कार्य पूर्ण किए। कोर कमेटी और तकनीकि विशेषज्ञ के साथ जलभराव की समस्या पर मंथन करते हुए जिला प्रशासन ने इसका हल निकाला। सभी 15 चैंबर, ढक्कन, रोड ब्लैकटाप, विद्युत लाइन भूमिगत, ड्रेनेज-सीवरेज लाइन की सफाई भी कराई। बेहतर प्लानिंग, डिजाइन और डारेक्शन से जिला प्रशासन ने इस प्रोजेक्ट को पूरा कराया। वर्षों से बरसात में नासूर बना करइळ ड्रेनेज का स्थायी समाधान होने से जनमानस को बहुत राहत मिली है। क्षेत्र के लोगों ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त की है।जिलाधिकारी ने इस समस्या के समाधान के लिए रेग्युलर मानिटरिंग और टाप प्रायोरिटी के साथ ड्रेनेज कायों को बरसात से पहले पूरा कराया। यहां पर सभी नालियां साफ कराते हुए नालियों में बड़े ह्यूम पाइप डालवाए गए ताकि बारिश में पानी न भरे। निर्माण कायों के दौरान नालियों से बहुत ही ज्यादा गंदगी, टनो के टन कूड़ा निकला था। उप जिलाधिकारी कुमकुम जोशी को बतौर सुपरवीजन के लिए मौके पर तैनात रखा था। मानसून सीजन में शहर के एंट्री द्वार आईएसबीटी चौक में जलभराव के कारण प्रत्येक बरसात में एक बहुत बड़ी समस्या बनी रहती थी, जो कई बार दुर्घटनाओं का भी कारण भी बनता है।

मौसम के अलर्ट पर सोनप्रयाग से सुबह 10 बजे बाद रोके यात्री

रुद्रप्रयाग। बीती रात से हो रही भारी बारिश के चलते रविवार को सोनप्रयाग में यात्रियों पर विशेष निगरानी रखी गई। सरकार के निर्देशों के बाद सुबह 10 बजे बाद यात्रियों को सोनप्रयाग से आगे नहीं जाने दिया गया जबकि इससे पहले सुबह 5 हजार यात्री धाम को रवाना हुए। केदारनाथ से लौटने वाले यात्रियों को पुलिस और एसडीआरएफ के जवानों की देखरेख में वापस गौरीकुंड भेजा गया। जनपद में लगातार बारिश हो रही है। शनिवार को रातभर हुई बारिश से सोनप्रयाग में मुनकटिया में केदारनाथ हाईवे बाधित रहा। हालांकि पहाड़ी से मलबा पत्थर रुकते ही पैदल चलने वाले यात्रियों को आगे जाने की अनुमति दी गई। पुलिस सुरक्षा में उन्हें डेढ़ किमी दूर शटल सेवा की सुविधा से गौरीकुंड पहुंचाया गया। करीब 5 हजार यात्री सुबह 10 बजे से पहले केदारनाथ रवाना हो गए। वहीं सरकार द्वारा 48 घंटे यात्रा रोकने के आदेश के बाद प्रशासन और पुलिस ने यात्रियों को सोनप्रयाग और गौरीकुंड में सुरक्षित स्थानों पर ठहरने के निर्देश दिए। पुलिस ने सोनप्रयाग से आगे यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवाजाही रोक दी। हालांकि केदारनाथ से लौट रहे सभी यात्रियों को पुलिस और एसडीआरएफ के जवानों की मौजूदगी में गौरीकुंड और सोनप्रयाग आने दिया गया। सभी यात्रा पड़ावों पर सुरक्षा जवान पैदल चलने वाले यात्रियों पर निगरानी करते रहे। इधर, सोनप्रयाग में रविवार को 10 बजे बाद करीब 1500 यात्री रुके हैं, जिन्हें सोमवार को मौसम रिपोर्ट के बाद केदारनाथ भेजा जाएगा।

नगर पंचायत में दस दिवसीय शैक्षणिक समर कैंप का हुआ समापन

चमोली। नगर पंचायत में दस दिवसीय समर कैंप का समापन हुआ गैरसैंण। नगर पंचायत द्वारा आयोजित दस दिवसीय समर कैंप का समापन रविवार को नगर पंचायत के अतिथि ग्रह सभागार में हो गया। शैक्षिक समर कैंप में बच्चों ने चित्रकला,नृत्य, पेंटिग, योग शास्त्रीय गायन एवं पारंपरिक लोक आदि की बारीकियों को जाना। गायन प्रतियोगिता में ऋषभ, किरन एवं प्रीति मेहरा तथा चित्रकला में रूद्रा, रोहित रावत एवं दिव्यांशु ने क्रमश प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष मोहन भंडारी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन प्रतिभाओं को आगे लाने में मदद करते हैं। सभासद सोनाली साह, मंगल नारायण, हरेन्द्र, गोविंद, उमा अमन, आयुष सौरभ, सुहानी, प्रतीक एवं हिमांशु सहित बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे।

गढ़वाल विवि के तीन शोध छात्रों को यंग साइंटिस्ट अवार्ड

श्रीनगर गढ़वाल। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के तीन शोध छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यंग साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

भूगोल विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर महावीर सिंह नेगी के निर्देशन में शोध कर रही वंदना गोस्वामी एवं मनीषा यंग सांइटिस्ट अवार्ड से सम्मानित हुई, जबकि भूगोल विभाग के प्रो. भानू प्रसाद नैथानी के निर्देशन में शोध कर रहे आदर्श पंत को भी यंग अवार्ड से सम्मानित किया गया। गढ़वाल विवि के भूगोल विभाग के प्रो. एमएस नेगी ने बताया कि सुआन सुनन्दा राजभाट विश्वविद्यालय बैंकॉक, थाईलैंड में जलवायु परिवर्तन, संसाधन, जैव विविधता एवं पर्यावरणीय चुनौतियां: सतत विकास मुद्दे और रणनीतियां विषय पर आयोजित सम्मेलन में शोधार्थियों को सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि शोध छात्रा वन्दना गोस्वामी ने हिमालय होम स्टे टूरिज्म पर किए जा रहे शोध पत्र प्रस्तुत किया, जिसके लिये उन्हें यंग साइंटिस्ट का अवार्ड प्रदान दिया गया। शोध छात्रा मनीषा को भौगोलिक सूचना प्रणाली के माध्यम से उत्तराखंड के चमोली का पर्यटन जनित भूमि उपयोग परिवर्तन और आपदा जोखिम का विश्लेषण प्रस्तुत करने पर यंग साइंटिस्ट के अवार्ड से सम्मानित किया गया। बताया कि यह सम्मान उन्हें कैनाबिस हेल्थ साइंस एंड मेडिकल हर्ब्स प्रोग्राम के निदेशक डॉ. थावत्चाई कामोलथाम और सुआन सूनन्था राजभाट विश्वविद्यालय, बैंकॉक, थाईलैंड एलाइड हेल्थ साइंसेज के डीन सोमदेत और डॉ. सोमदेत रुंगस्त्रीसावत ने दिया।

डीएसबी में इस साल से बीए योग और पत्रकारिता की होगी पढ़ाई

नैनीताल। डीएसबी परिसर के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग में इस बार नए सत्र से स्नातक बीजेएमसी का कोर्स शुरू कर दिया गया है। बीते दिनों हुई बोर्ड ऑफ स्टडी की बैठक में प्रस्ताव को स्वीकृति मिली है। नए सत्र से छात्र डीएसबी परिसर में बीए में जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन का कोर्स कर सकेंगे। यह कोर्स तीन साल का है। जिसमें छात्रों को रिपोर्टिंग, संपादन, समाचार लेखन व प्रसारण की पढ़ाई कराई जाएगी। पहले परिसर के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग में स्नातकोत्तर में मास कम्युनिकेशन का कोर्स ही कराया जाता था। जिसमें 25 सिटें निर्धारित है। लेकिन इस बार से स्नातक की कक्षा में भी इस विषय को पढ़ाया जाएगा।

कला संकायाध्यक्ष प्रो रजनीश पांडे ने बताया की पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग ने बोर्ड ऑफ स्टडी की बैठक में स्नातक कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव रखा था। जिसे बोर्ड बैठक में स्वीकृति दे दी गई है। नए सत्र से पत्रकारिता में स्नातक का कार्स भी संचालित किया जाएगा। आवेदन के लिए कुविवि की वेबसाइट पर लिंक डाल दिया गया है। स्नातक कोर्स में 20 सीटें निर्धारित की गई हैं।योग के नए कोर्स भी इसी सत्र से डीएसबी में योग विभाग में योग के नए कोर्स का भी इसी सत्र से संचालन किया जाएगा। योग विज्ञान विभाग में अब तक केवल एमए योग की ही पढ़ाई होती आई है।

हरिद्वार को मिलेगा अत्याधुनिक मुक्केबाजी प्रशिक्षण केंद्र

हरिद्वार। जिला मुक्केबाजी संघ की बैठक शनिवार को रानीपुर मोड़ स्थित कार्यालय में हुई। बैठक में अध्यक्ष डॉ. विशाल गर्ग ने घोषणा की कि हरिद्वार में शीघ्र ही एक अत्याधुनिक मुक्केबाजी प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की जाएगी, जिससे जिले के खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने कहा कि केंद्र की अनुपलब्धता से प्रतियोगिताएं आयोजित करने में लगातार दिक्कतें आ रही हैं। बैठक में इस वर्ष होने वाली प्रतियोगिताओं, सरकारी योजनाओं और खेलों को लेकर जनजागरूकता अभियान पर विस्तृत चर्चा की गई। संरक्षक रोहन सहगल ने बताया कि 38वें राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन से प्रदेश में खेलों को नई ऊर्जा मिली है। उन्होंने अभिभावकों से आह्वान किया कि वे बच्चों को खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। बाल कल्याण समिति की सदस्य सुनीता चौधरी ने कहा कि जगजीतपुर स्थित मातृ आंचल कन्या विद्यापीठ की बालिकाओं को भी मुक्केबाजी प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने आत्मरक्षा के लिए इस खेल को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

नई टिहरी के 1301 मतदेय स्थलों पर छह लाख मतदाता करेंगे वोट

नई टिहरी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के संशोधित कार्यक्रम घोषित होते हुए पंचस्थानी चुनावालय भी एक्टिव मोड में आ गया है। जिले के 9 ब्लॉक में ग्राम प्रधान, वार्ड सदस्य, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत सदस्यों का जनता से चुनाव होगा। जबकि ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए निर्वाचित सदस्य चुनाव करेंगे। जिले की 1049 ग्राम पंचायतों में चुनाव के लिए 1301 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। जहां 6 लाख 5 हजार 841 मतदाता वोट करेंगे। डीएम/जिला निर्वाचन अधिकारी नितिका खंडेलवाल ने बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए प्रशासन ने सभी तैयारियां कर ली हैं। अब चुनाव का नया शेड्यूल जारी हुआ है। जिले के भिलंगना, प्रतापनगर, थौलधार, जाखणीधार और जौनपुर ब्लॉक में पहले चरण में 24 जुलाई और देवप्रयाग, कीर्तिनगर, नरेंद्रनगर और चंबा में 28 जुलाई को द्वितीय चरण में वोटिंग होगी। भिलंगना ब्लॉक में 186 ग्राम पंचायतों में 189 मतदान केंद्र और 235 मतदेय स्थल बनाए हैं। जहां 54615 महिला, 58049 कुल 112664 मतदाता दर्ज हैं। इसी तरह चंबा ब्लॉक में 104 ग्राम पंचायतों में 110 मतदान केंद्र व 134 मतदेय स्थलों पर 30649 महिला, 32940 पुरुष कुल 63489 मतदाता, देवप्रयाग ब्लॉक में 105 ग्राम पंचायतों में 112 मतदान केंद्र व 112 मतदेय स्थलों पर 29462 महिला, 32340 पुरुष कुल 61802 मतदाता, जाखणीधार ब्लॉक में 92 ग्राम पंचायतों में 110 मतदान केंद्र व 126 मतदेय स्थलों पर 29642 महिला, 32144 पुरुष कुल 61786 मतदाता, जौनपुर ब्लॉक में 149 ग्राम पंचायतों में 150 मतदान केंद्र व 160 मतदेय स्थलों पर 31854 महिला, 34726 पुरुष कुल 66580 मतदाता, कीर्तिनगर ब्लॉक में 97 ग्राम पंचायतों में 97 मतदान केंद्र व 117 मतदेय स्थलों पर 26210 महिला, 27827 पुरूष, 7 थर्ड जेंडर कुल 54045 मतदाता, नरेंद्रनगर ब्लॉक में 120 ग्राम पंचायतों में 124 मतदान केंद्र व 143 मतदेय स्थलों पर 30604 पुरूष, 35029 महिला कुल 65633 मतदाता, प्रतापनगर ब्लॉक में 101 ग्राम पंचायतों में 116 मतदान केंद्र व 137 मतदेय स्थलों पर 32213 महिला, 33744 पुरुष कुल 65957 मतदाता और थौलधार ब्लॉक में 95 ग्राम पंचायतों में 98 मतदान केंद्र व 121 मतदेय स्थलों पर 26234 महिला, 27651 पुरूष कुल 53885 मतदाता दर्ज हैं। इस तरह जिले की 1049 ग्राम पंचायतों में 1106 मतदान केंद्र व 1301 मतदेय स्थल बनाए हैं। जिसमें प्रदेश निर्वाचन क्षेत्रों की कुल संख्या 7465 है। कुल 291483 महिला, 314351 पुरूष और 7 थर्ड जेंडर कुल 605841 मतदाता पंचायत चुनाव में मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

हरिद्वार में बारिश ने गर्मी से दी राहत, दो डिग्री लुढ़का पारा

हरिद्वार। हरिद्वार में रविवार को सुबह से दोपहर तक बारिश होती रही। इस कारण लोगों को बड़ी परेशानी उठानी पड़ी। सुबह के समय कामगार बारिश में भीगते हुए अपने कार्यस्थलों पर पहुंचे। अधिकतम तापमान में 02 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान में 01 डिग्री सेल्सियस की गिरावट रिकॉर्ड हुई। वहीं, हरिद्वार में 26 एमएम बारिश दर्ज हुई। आईआईटी कृषि मौसम वेधशाला के आंकड़ों के अनुसार, रविवार को अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। शनिवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहा था। रविवार को धर्मनगरी में सुबह से मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह 05 बजे बारिश शुरू हो गई। जो दोपहर 12 बजे तक जारी रही। बारिश के दौरान लोगों को बड़ी दिक्कतें उठानी पड़ी। दोपहर तक बाजारों में ग्राहकों की कमी रही। बारिश रुकने के बाद आसमान में बादल छाए रहे। इस कारण दोपहर में धूप की तपिश कम रही।

ओवरहेड टैंक की मोटर फुंकी, जल संकट से जूझ रही 10 हजार की आबादी

हरिद्वार। ग्राम आत्मलपुर बोंगला में जल जीवन मिशन के तहत लगे ओवरहेड टैंक की मोटर फुंक जाने से गांव की करीब दस हजार की आबादी पेयजल संकट से जूझ रही है। दो दिन से पानी की सप्लाई पूरी तरह ठप है और भीषण गर्मी में ग्रामीण बूंद-बूंद को तरस रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग और कार्यदायी संस्था को बार-बार सूचना देने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। न तो मोटर बदली गई और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई। गांव में पानी को लेकर हालात काफी गंभीर हैं। गांव में जल जीवन मिशन के तहत ओवरहेड टैंक से घर-घर शुद्ध पेयजल आपूर्ति की जा रही थी। इसी भरोसे ग्रामीणों ने अपने हैंडपंप और सबमर्सिबल पंपों का प्रयोग बंद कर दिया था। अब जब सरकारी मोटर फुंक गई है, तो पूरा गांव जलविहीन हो गया है। ग्रामीण चंद्र सिंह, विपिन, अमित, संजय, मनोज, अशोक, भारत भूषण, मनीष, संदीप, रवि आदि का कहना है कि काम कर रही एजेंसी बार-बार लापरवाही कर रही है, जिससे ऐसी समस्या लगातार सामने आ रही है।

आस्था का केंद्र बनेगा शिवालय निकेतनः साक्षी महाराज

हरिद्वार। श्रीपंचायती अखाड़ा निर्मल के महामंडलेश्वर एवं उन्नाव सांसद डॉ. सच्चिदानन्द हरि साक्षी महाराज ने कहा कि समाज के लिए जीवन समर्पित करने वाले संत महापुरुषों का अपना कुछ नहीं होता। संत महापुरुष केवल ज्ञान का संचय करते है और उसे भी समाज को समर्पित कर देते हैं। यह बातें उन्होंने श्यामपुर स्थित शिवालय निकेतन ट्रस्ट के भूमि भूजन एवं शिलान्यास समारोह में कही। डॉ. सच्चिदानन्द हरि साक्षी महाराज ने कहा कि स्वामी विपनानन्द एवं स्वामी नागेंद्र महाराज द्वारा निर्मित किया जा रहा शिवालय निकेतन ट्रस्ट आस्था, धर्म और संस्कृति का प्रमुख केंद्र बनेगा। जिसके लिए दोनों संत बधाई के पात्र हैं। समारोह की अध्यक्षता करते हुए निरंजनी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रामरतन गिरी ने कहा कि हरिद्वार संतों की नगरी है। संतों की वाणी से प्रसारित होने वाले आध्यात्मिक संदेशों से पूरे विश्व को मार्गदर्शन प्राप्त होता है। स्वामी विपनानन्द एवं स्वामी नागेंद्र महाराज को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि शिवालय निकेतन ट्रस्ट धर्म, अध्यात्म और सेवा संस्कृति के केंद्र के रूप में स्थापित होगा। महामंडलेश्वर स्वामी भास्कारानंद महाराज एवं महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरी महाराज ने कहा कि परोपकार के लिए जीवन समर्पित करने वाले संत महापुरुषों ने राष्ट्र की एकता अखण्डता कायम रखने में हमेशा अहम भूमिका निभायी है।

इस मौके पर सुमित, अंकुर त्यागी, दुबई के समाजसेवी मजाहिर अब्बास रिजवी, सचिन पराशर, अतुल शर्मा, प्रभात रंजन, रक्षित वालिया, तनुज सहगल, जसविन्दर कौर ने सभी संत महापुरुषों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया।

जयन्त

संस्थापक

नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और

सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित

RNI No.UTTHIN/2005/16338